लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 29 जुलाई, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 20
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

अपने मित्र को उसके दोषों को बताना मित्रता की सबसे कठोर परीक्षा होती है। - हैनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

चिदंबरम पहलगाम हमले पर बोले- आतंकवादियों के पाकिस्तानी होने का सबूत नहीं; भाजपा ने साधा निशाना

नईदिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने अपने मीडिया साक्षात्कार में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बयान दिया है, जिससे भाजपा बुरी तरह नाराज हो गई है। भाजपा नेताओं ने चिदंबरम पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाया है और सवाल उठाया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हमेशा पाकिस्तान का बचाव क्यों करते हैं। इसके जवाब में चिदंबरम ने भाजपा नेताओं पर बयान को कांट-छांट कर प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है। चिदंबरम ने सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे इस तथ्य को छिपा रहे हैं कि हमने सामरिक गलतियां की हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की भूमिका पर भी सवाल उठाया, एनआईए बताने को तैयार नहीं कि उसने क्या किया। क्या उन्होंने आतंकवादियों की पहचान की, वे कहां से आए थे? वे स्थानीय आतंकवादी हो सकते हैं। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे? इसका कोई सबूत नहीं है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने चिदंबरम की टिप्पणी साझा कर एक्स पर लिखा, पूर्व गृह मंत्री और कुख्यात भगवा आतंकवाद सिद्धांत के मूल समर्थक चिदंबरम एक बार फिर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। इस बार पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस पाकिस्तान को क्लीन चिट देने के लिए दौड़ पड़ी है। ऐसा क्यों है कि जब भी हमारी सेनाएं पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती हैं, तो कांग्रेस नेता इस्लामाबाद के बचाव पक्ष के वकील ज्यादा लगते हैं?

बाराबंकी के अवसानेश्वर मंदिर में बिजली का कंरट फैलने से भगदड़, 2 की मौत

बाराबंकी। उत्तराखंड में मनसा देवी मंदिर में हुए हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में भी बिजली का करंट फैलने से भगदड़ मच गई। हादसे में 2 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। घटना अवसानेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के 3 बजे घटी है। मृतकों में 22 और 25 वर्षीय दो युवक शामिल हैं। इसके अलावा 38 अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि अब हालात सामान्य है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में काफी भीड़ थी। यहां बारिश से बचने के लिए टीन शेड लगाया गया है। सोमवार तड़के बंदरों ने टीन शेड के ऊपर गए बिजली के तारों को तोड़ दिया। तार टीन शेड और मंदिर के मुख्य गेट पर गिरा, जिससे करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से 2 लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद भगदड़ मच गई। भगदड़ में 28 लोग घायल हुए हैं। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह अत्यधिक भीड़ होने के बाद करंट की अफवाह फैली, जिसके बाद सीढ़ियों वाले रास्ते पर भगदड़ मच गई। हादसे में 7 लोगों की जान चली गई और करीब 30 अन्य लोग घायल हो गए। पहले बताया जा रहा था कि मंदिर मार्ग पर अचानक एक बिजली का तार गिर गया था। इस वजह से करंट फैल गया और लोग बचने के लिए भागने लगे, जबकि मंदिर प्रशासन ने इसे नकारा है।

विपक्ष के हंगामे पर लोकसभा स्पीकर की फटकार, राहुल गांधी से बोले- 'जनता ने पर्चियां फेंकने के लिए नहीं भेजा'

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान नारेबाजी करने पर विपक्षी सांसदों को आड़े-हाथों लिया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा कि वह अपने दल के नेताओं को समझाएं कि जनता ने उन्हें पर्चियां फेंकने और तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा है।

ओम बिरला ने यह भी कहा कि देश यह जानना चाहता है कि आखिर प्रश्नकाल को नियोजित तरीके से क्यों बाधित किया जा रहा है? कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के मुद्दे पर लोकसभा में सोमवार को भी नारेबाजी जारी रखी। सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य 'SIR वापस लो' के नारे लगाने लगे।

'आॅपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहते?'

लोकसभा स्पीकर ने कहा, ''क्या आप सदन बाधित करना चाहते हैं, क्या ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहते? आप लोग आए थे और कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए। आखिर अब सदन क्यों नहीं चलने दे रहे?' उन्होंने सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कहा, 'माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप अपने नेताओं को समझाओ कि इन्हें सदन में पर्चिया फेंकने और तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा गया है।'

'आप नियोजित तरीके से सदन को बाधित करते हैं'

उन्होंने नारेबाजी कर रहे सांसदों से कहा, 'आप नियोजित तरीके से सदन को बाधित करते हैं, संसद की गरिमा को गिराते हैं, आप सदन में चर्चा नहीं कराना चाहते हैं।' ओम बिरला ने कहा कि देश जानना चाहता है कि क्या आप नियोजित तरीके से प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते? बिरला ने कहा, 'प्रश्नकाल में माननीय सदस्यों को बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह तरीका उचित नहीं है। सदन सबका है। यह देश की 140 करोड़ जनता की अभिव्यक्ति की सर्वोच्च संस्था है।'

'लोकतंत्र पर वार' SIR के खिलाफ विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन ; खड़गे, राहुल, सोनिया और अखिलेश भी हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता सोमवार को मतदाता सूची के विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में सभी विपक्षी दलों ने भाग लिया, नेताओं ने लोकतंत्र पर वार लिखे बैनर और 'स्टॉप सर' लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिसमें सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया गया।

प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दर्शाता है। इस बीच, संसद के चल रहे मानसून सत्र में अपनी ताकत दिखाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल सभी सहयोगी दलों के सांसदों को बुलाया है। भाजपा ने अनुरोध किया था कि सभी एनडीए सांसद आज सुबह 10:00 बजे संसद के मकर द्वार पर उपस्थित रहें।

लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा होने वाली है। संसद में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के शीर्ष नेताओं के बीच तीखी बहस होने की उम्मीद है। सोमवार की लोकसभा की कार्यसूची में लिखा है, 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'।

महाराज अब रोक दीजिए...भारत के हमलों से डरकर गिड़गिड़ाया था पाकिस्तान, रक्षा मंत्री ने संसद में बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष चर्चा हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए बताया, भारत के हमलों से डरकर पाकिस्तान गिड़गिड़या था। रक्षा मंत्री ने कहा, 6 और 7 मई 2025 को, भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से एक ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। वो केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, उसकी अस्मिता, देश के नागरिकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी थी।

रक्षा मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले हमारी सेनाओं ने हर पहलू का गहराई से अध्ययन किया था। हमारे पास कई विकल्प थे, लेकिन, हमने उस विकल्प को चुना जिसमें, आतंकवादियों और उनके ठिकानों को अधिकतम नुकसान पहुंचे और जिसमें पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई किसी तरह की क्षति न हो। राजनाथ सिंह ने कहा, सबसे पहले मैं इस सदन के माध्यम से, देश के उन वीर सपूतों को, उन बहादुर सैनिकों को नमन करता हूं, जो इस राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहते हैं। साथ ही, मैं उन सैनिकों की स्मृति को भी नमन करता हूं, जिन्होंने भारत की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने के लिए बलिदान दे दिया। हमारी सेनाओं की तरफ से किए गए कोआर्डिनेट हमलों में 9 आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस सैन्य कार्रवाई में

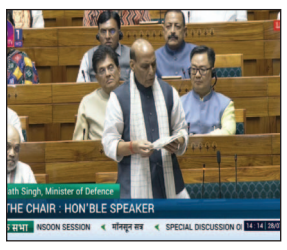

एक अनुमान के अनुसार करीब सौ से अधिक आतंकवादी,उनके प्रशिक्षक, हैंडलर और सहयोगी मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित थे। ये वही आतंकी संगठन हैं, जिन्हें पाकिस्तान की सेना और ISI का खुला समर्थन हासिल है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हमारी कार्रवाई पूरी तरह से सेल्फ डिफेंस में थी, यह प्रोवोकेटिव नहीं थी। फिर भी 10 मई 2025 को रात लगभग 1 बजकर 30 मिनट पर पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर भारत के ऊपर मिसाइल, ड्रोन, रॉकेट और अन्य लॉन्ग रेंज हथियारों का इस्तेमाल किए। रक्षा मंत्री ने आगे कहा, मुझे यह कहते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है कि हमारे एयर डिफेंस सिस्टम, काउंटर ड्रोन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने पाकिस्तान के इस हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया।

"PAK हमारे टारगेट को हिट नहीं कर पाया"

पाकिस्तान हमारे किसी भी टारगेट को हिट नहीं कर पाया। हमारी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी और हर हमले को रोका गया। मैं इसके लिए भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों की जम कर सराहना करता हूं, जिन्होंने दुश्मन के हर मंसूबे पर पानी फेर दिया। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के इस हमले के जवाब में हमारी कार्रवाई साहसिक, ठोस और प्रभावी रही। भारतीय वायुसेना ने वेस्टर्न फ्रंट पर पाकिस्तान के हवाई अड्डों, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया। इस मिशन को हमारी सेनाओं ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

"PAK की हर हरकत का करारा जवाब दिया"

राजनाथ सिंह ने आगे कहा, ऑपरेशन सिंदूर Tri Services Coordination का शानदार उदाहरण बना। जब भारतीय वायुसेना ने आसमान से हमले किए, हमारी थल सेना ने जमीन पर मोर्चा संभाले रखा था। हमारे जवान नियंत्रण रेखा पर पूरी ताकत से डटे रहे और पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया। उन्होंने आगे कहा, इस ऑपरेशन का मकसद आतंकी कैंपस और उनके समर्थक को टारगेट करना, उन्हें नेस्तनाबूद करना था और ये साफ संदेश देना कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलिरेंस रखता है। रक्षा मंत्री ने इस सवाल का भी जवाब दिया कि भारत ने कार्रवाई क्यों रोकी। उन्होंने कहा, भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी, क्योंकि संघर्ष के पहले और उसके दौरान जो भी राजनीतिक और सैन्य ऑबजेक्टिव तय किए गए थे।

भारतीय राजदूत ने रूस से तेल आयात का किया बचाव, कहा- क्या अर्थव्यवस्था बंद कर दें?

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने भारत के रूस से तेल आयात करने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि भारत से भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण अपनी अर्थव्यवस्था को बंद करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत के कई यूरोपीय साझेदार उन्हीं देशों से मृदा और अन्य ऊर्जा उत्पाद खरीद रहे हैं जिनसे वे भारत को आयात करने की मना करते हैं। दोरईस्वामी ने कहा, रूस से हमारा रिश्ता कई मानदंडों पर आधारित है। इनमें से एक हमारा दीर्घकालिक सुरक्षा संबंध है, जो उस युग से चला आ रहा है जब हमारे कुछ पश्चिमी साझेदार हमें हथियार नहीं बेचते थे, बल्कि हमारे पड़ोस के देशों को बेचते थे, जो उनका इस्तेमाल केवल हम पर हमला करने के लिए करते थे। दोरईस्वामी ने यह प्रतिक्रिया भारत और रूस की निकटता पर पश्चिमी देशों की ओर से की जा रही आलोचना पर दी है।

दोरईस्वामी ने कहा, हमारे रूस के साथ ऊर्जा संबंध है, जो इस बात का परिणाम है कि बाकी सभी लोग उन स्रोतों से ऊर्जा खरीद रहे हैं, जहां से हम पहले खरीदते थे। हम दुनिया में ऊर्जा के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। हम अपने 80 प्रतिशत उत्पादों का आयात करते हैं। आप हमसे क्या करवाना चाहेंगे? अपनी अर्थव्यवस्था बंद कर दें? उन्होंने कहा कि रूस के साथ ऊर्जा संबंध बढ़ती लागत और अन्य वैश्विक कारणों से प्रभावित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने की जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने घर में बेहिसाब नकदी मिलने के मामले में फंसे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। इसमें कोर्ट ने याचिका दायर करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह याचिका इस तरह दायर नहीं की जानी चाहिए थी। न्यायाधीश का मुख्य मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के पास है। जस्टिस वर्मा ने याचिका दायर कर इस मामले में गठित 3 न्यायाधीशों वाली जांच समिति की रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, यह याचिका इतनी लापरवाही से दायर नहीं की जानी चाहिए थी। कृपया देखें, पक्षकार यहां रजिस्ट्रार जनरल हैं, महासचिव नहीं।

पहला पक्ष सुप्रीम कोर्ट है क्योंकि आपकी शिकायत उल्लेखित प्रक्रिया के खिलाफ है। बता दें कि जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तीन प्रतिवादी बनाए हैं। इनमें पहले नंबर पर भारत संघ, दूसरे पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय और तीसरे पर भी सुप्रीम कोर्ट है। जस्टिस दत्ता ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने वाले 3 न्यायाधीशों की समिति की रिपोर्ट याचिका के साथ संलग्न नहीं की गई थी। उन्होंने पूछा, तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट कहां है? इस पर जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि रिपोर्ट तो पहले से ही सार्वजनिक है। इस पर जस्टिस दत्ता ने स्पष्ट किया कि याचिका के साथ जांच रिपोर्ट आवश्यक रूप से लगाई जानी चाहिए थी। सिब्बल ने कहा, अनुच्छेद-124 के तहत जब तक कदाचार सिद्ध न हो जाए, तब तक संसद में भी न्यायाधीशों के आचरण पर चर्चा नहीं हो सकती। इसी तरह टेप जारी करना, वेबसाइट पर डालना, न्यायाधीशों के विरुद्ध मीडिया में आरोप, जनता द्वारा निष्कर्ष आदि भी निषिद्ध हैं। इसके बाद भी लोकसभा और राज्यसभा में महाभियोग के लिए प्रस्ताव दिया गया है।

'मौनव्रत, मौनव्रत' बोलकर शशि थरूर ने ऑपरेशन सिन्दूर पर साधी चुप्पी!

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के चल रहे मानसून सत्र के छठे दिन लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संकेत दिया कि आज उनके इस बहस में बोलने की संभावना नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लंबी चर्चा को देखते हुए आज का दिन महत्वपूर्ण होने के बारे में पूछे जाने पर, थरूर ने मुस्कुराते हुए संवाददाताओं से कहा, 'मौनव्रत, मौनव्रत।' थरूर ने एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जो विभिन्न देशों का दौरा कर रहा था और दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख से अवगत करा रहा था। यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए भयावह आतंकवादी हमले के प्रतिशोध में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

'धरती पर किसी भी दस्तावेज को बनाया जा सकता है जाली', बिहार में चुनाव आयोग के SIR को लेकर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण में आधार और मतदाता पहचान पत्र (EPIC) को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने में निर्वाचन आयोग की अनिच्छा पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग के बहिष्कारपूर्ण दृष्टिकोण पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कोर्ट की पीठ ने सत्यापन प्रक्रिया में दोनों दस्तावेजों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, 'धरती पर किसी भी दस्तावेज को जाली बनाया जा सकता है।' उन्होंने चुनाव आयोग पर यह स्पष्ट करने का दबाव डाला कि आधार और ईपीआईसी को पूरी तरह से स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है , जबकि पंजीकरण फॉर्म में आधार पहले से ही मांगा जा रहा है।

आज हुई सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने फर्जी राशन कार्डों के बारे में चिंता जताई। साथ ही कहा कि बड़े पैमाने पर जालसाजी के कारण उन पर भरोसा करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, आयोग ने माना कि आधार को पहचान के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। पंजीकरण फॉर्म में इसकी संख्या पहले से ही मांगी गई है।

जाली दस्तावेज रोकने की व्यवस्था कहां, कोर्ट ने उठाया सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चुनाव आयोग की अपनी सूची में कोई भी दस्तावेज निर्णायक नहीं है, तो यही तर्क आधार और ईपीआईसी पर भी लागू हो सकता है। पीठ ने पूछा, 'अगर कल को आपके द्वारा स्वीकार किए गए अन्य दस दस्तावेज भी जाली पाए गए, तो इसे रोकने की व्यवस्था कहां है? बड़े पैमाने पर लोगों को शामिल करने की बजाय बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर क्यों रखा जा रहा है?' कोर्ट ने यह भी अनुरोध किया कि यदि किसी को सूची से बाहर रखा जाता है तो प्रक्रिया के लिए समयसीमा निर्धारित की जाए।

एकनाथ खड़से के दामाद की गिरफ्तारी पर संजय राउत का दावा, बोले- प्रांजल पर की गई कार्रवाई संदिग्ध

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से के दामाद प्रांजल खेवलकर को रेव पार्टी से गिरफ्तार किए जाने पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी संदिग्ध है। एकनाथ खड़से के परिवार को भाजपा नेता गिरीश महाजन का नाम हनी ट्रैप कांड से जोड़ने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के परिवार के सदस्यों को निशाना बना रही है और उन्हें बदनाम कर रही है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री के घर पर कार्रवाई उनका मुंह बंद करने के लिए की गई है। यह पूरा मामला संदिग्ध है। खड़से पिछले तीन दिन से हनी ट्रैप की बात कर रहे हैं। वह इसमें राज्य के कैबिनेट मंत्री

गिरीश महाजन की संलिप्तता की बात कर रहे हैं, लेकिन इससे संबंधित कोई जांच नहीं हो रही है। अब जब खड़से बात कर रहे हैं तो उनके दामाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। संजय राउत ने कहा कि ऐसी घटनाएं महाराष्ट्र में हर जगह हो रही हैं। उन्होंने पुलिस पर नौकर बनने और सरकार के खिलाफ बोलने वालों को निशाना बनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमने इस सिद्धांत का पालन किया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के परिवार के सदस्यों को कभी नहीं घसीटा जाएगा। दुर्भाग्य से भाजपा के लोग अब परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि खड़से के दामाद की गिरफ्तारी के बाद महाजन बस नाचने ही वाले थे। इससे पहले एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के दामाद को इसी तरह के एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम) मामले में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को भी गिरफ्तार किया गया था।

रेव पार्टी से हुई गिरफ्तारी

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से के दामाद प्रांजल खेवलकर को पुलिस ने पुणे में रेव पार्टी पर छापा मारकर पकड़ा था। यहां से भारी मात्रा में ड्रग्स, हुक्का और शराब बरामद की। प्रांजल एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति हैं। रोहिणी भी राजनीति में सक्रिय हैं और एनसीपी एसपी की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

हम नेता का मर्डर, 24 केस... बिहार के कुख्यात बदमाश डबलू यादव का हापुड़ में एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। बिहार के कुख्यात बदमाश डबलू यादव का हापुड़ में एनकाउंटर हो गया। बिहार पुलिस और नोएडा एसटीएफ के ज्वाइंट ऑपरेशन में 50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर हो गया। ये मुठभेड़ उत्तर प्रदेश के हापुड़ के सिंभावली थाना क्षेत्र में हुई। डबलू यादव पर बिहार के अलग-अलग थानों में 24 केस दर्ज थे। उस पर 'हम पार्टी' के नेता का अपहरण करके हत्या करने का भी आरोप था।

सोमवार की सुबह नोएडा एसटीएफ और बिहार पुलिस ने मिलकर बदमाश को पकड़ने के लिए अभियान चलाया था। मुठभेड़ में मारा गया बदमाश बिहार के बेगूसराय के ज्ञान टोल साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र का रहने वाला था। डबलू यादव पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह काफी समय से फरार चल रहा था। इनामी बदमाश डबलू यादव की तलाश में बिहार पुलिस सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश आई थी और यहां नोएडा एसटीएफ के संयुक्त ऑपरेशन में हापुड़ के सिंभावली थाना क्षेत्र में बदमाश डबलू यादव से मुठभेड़ हुई।

'हम पार्टी' के नेता की हत्या का केस

बदमाश के पास से कई आधुनिक हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं। डबलू यादव ने 2025 में बेगूसराय के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में 'हम पार्टी' के 20 सूत्रीय प्रखंड अध्यक्ष का अपहरण कर लिया था और बाद में हत्या कर उनकी लाश को दियारा में छुपा दिया था। कुख्यात डबलू यादव पर बिहार के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हत्या और हत्या की कोशिश, किडनैपिंग, आर्म्स एक्ट के कुल 24 मुकदमे दर्ज हैं। जिस पर बिहार पुलिस ने कुख्यात डबलू यादव पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

जवाबी कार्रवाई में बदमाश को लगी गोली

पुलिस को डबलू के हापुड़ में होने की गुप्त जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस ने डबलू को सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी थी। जब पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे नोएडा एसटीएफ की गोली लग गई। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके ऊपर कई संगीन केस दर्ज हैं। दो महीने पहले उसने हम पार्टी के नेता का अपहरण कर लिया था और तब से ही वह फरार चल रहा था।

भूतपूर्व सैनिकों ने गोला गोकर्णनाथ शिव मंदिर की सेवा का निभाया दायित्व

आर्यावर्त संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। भूतपूर्व संघ सैनिक कल्याण समिति के सदस्यों ने तृतीय सोमवार को प्रसिद्ध छोटी काशी स्थित बाबा गोकर्णनाथ शिव मंदिर में पहुंचकर प्रत्येक वर्ष की भांति सेवा कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई, व्यवस्था और भक्तों की सहायता जैसे कार्यों को स्वयं अपने हाथों से संपन्न कराया। समिति के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक संदेश देना है और धार्मिक स्थलों की गरिमा को बनाए रखना है। स्थानीय लोगों ने भूतपूर्व सैनिकों के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति का यह प्रयास न केवल समाज में देशसेवा की भावना को जीवित रखता है, बल्कि युवाओं को भी प्रेरित करता है कि वे देशभक्ति के साथ समाज सेवा में भी आगे आएं। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य रिटायर्ड सूबेदार मेजर राजेश्वर सिंह, वीरेंद्र कुमार मिश्रा,जगदेव सिंह,अनिल कुमार गुप्ता, देव प्रकाश और राकेश कुमार यादव,गजेंद्र प्रसाद,अजय,भानु अवस्थी कुतुबुद्दीन,प्रेम कुमार वर्मा,कृष्ण गोपाल त्रिवेदी,मिथिलेश अवस्थी ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

फीका पड़ता नागपंचमी का त्योहार, परंपराएं खो रहीं अस्तित्व

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के गांवों में कभी बड़े धूमधाम से मनाया जाने वाला, नागपंचमी का पर्व आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। पहले जहां गांव-गांव में खेतों में गुजरिया और कजरी गीत गूंजते थे, वहीं अब खेतों में न रौनक दिखती है और न ही लोकगीतों की वो मधुर धुन सुनाई देती है।

नागपंचमी को गांव की महिलाएं सज-धज कर नागदेवता की पूजा करती थीं, बच्चे मिट्टी के सांप बनाकर खेलते और अखाड़ों में दंगल-कुश्ती का आयोजन होता था। वातावरण हर्षोल्लास मय होता था। पेड़ों की शाखाओं पर पड़े झूलों पर महिलाएं कजरी गाती थीं।

धीरे धीरे पउवां धरा हो मोरी धनिया, गोड़े घुंघुरवा बाजे ना

नैन राधिका की लड़ गयी मुरारी से, बड़ी होशियारी से ना

जैसे सुमधुर गीत सावन के महीने में चहुओर वातारण में चार चांद लगा देते थे जिससे सावनी बेला मधुमय हो जाती थी। महिलाओं के सामूहिक कजरी गीत से सावन की खुशबू बढ़ जाती थी। बुजुर्गों की मानें तो पहले नागपंचमी पर घर-घर में पूजा होती थी। लोग व्रत रखते, दीवारों पर गेरू और चूने से नाग देवता की आकृति बनाकर पूजा करते थे। लेकिन ये सब अब अतीत की यादें बनती जा रही हैं। आज की पीढ़ी न तो इन परंपराओं को जानती है और न ही उन्हें निभाने में रुचि लेती है। मंदिरों में पूजा-पाठ अब केवल रस्म अदायगी बनकर रह गई है। वहीं, अखाड़ों की मिट्टी सूखी पड़ी है, क्योंकि ना कुश्ती होती है और ना पहलवानों का उत्साह। सांस्कृतिक जानकारों का मानना है कि आधुनिकता की दौड़ में लोक पर्व और परंपराएं पीछे छूटती जा रही हैं। यदि यही हाल रहा, तो आने वाले वर्षों में नागपंचमी जैसा पर्व केवल किताबों में ही देखा और पढ़ा जाएगा। समाज को चाहिए कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने की जिम्मेदारी समझे और इन त्योहारों को फिर से जीवंत करने का प्रयास करे।

जलजमाव की समस्या से जूझ रहा रामनगर भड़सरा

जौनपुर। जनपद के लाइन बाजार से कजगांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर स्थित रामनगर भड़सरा गांव इन दिनों भारी जलजमाव की समस्या से जूझ रहा है। गांव की मुख्य सड़क पर महज 50 मीटर दूरी पर रेलवे क्रॉसिंग के पास जलनिकासी की व्यवस्था न होने के कारण बारिश के बाद सड़क पूरी तरह से पानी में डूब जाती है।स्थिति यह है कि दो से तीन फीट तक पानी इकट्ठा हो जाता है, जिससे राहगीरों सहित स्कूल जा रहे छात्र-छात्राओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आए दिन लोग फिसलकर गिरते हैं, स्कूली बच्चों को गिरकर घर लौटना पड़ता है और कई बार तो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो चुके हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन इसके समाधान के लिए जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कुछ महीने पहले ही इस मार्ग पर सड़क निर्माण कराया गया था।

सावन का तीसरा सोमवार : गोला गोकर्णनाथ में उमड़ी भारी भीड़, धक्का-मुक्की से तीन भक्त चोटिल

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में सावन के तीसरे सोमवार को छोटी काशी कह जाने वाले गोला गोकर्णनाथ में शिवभक्तों की इतनी भीड़ उमड़ी कि धक्का-मुक्की की स्थिति हो गई। भीड़ देख पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। किसी तरह लोगों को खींचकर निकाला। तीन श्रद्धालु चोटिल हुए हैं। वहीं स्थिति को देखकर प्रशासन को वर्षों पुरानी परंपरा बदलनी पड़ी। पौराणिक शिव मंदिर के गर्भगृह का मुख्य और निकास द्वार बंद करना पड़ा। निकास द्वार के बाहर से ही भक्तों से जलाभिषेक कराया गया। सुबह 10 बजे के बाद भी भीड़ कम नहीं हुई।

रात में ही उमड़ने लगी थी भीड़

गोला गोकर्णनाथ में रविवार शाम से ही कांवड़ियों के जत्थे पहुंचने लगे थे। आधी रात के बाद ही भक्तों की भारी भीड़ जुट गई। पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक व दर्शन करने के लिए लंबी कतार लग गई। शिव मंदिर से करीब 500 मीटर दूरी पर अशोक चौराहे पर आगे निकलने की होड़ में धक्का-मुक्की हो गई।

इससे इससे सुरभि (27 वर्ष) पुत्री छोटे निवासी मैलानी, सोनू वर्मा (23 वर्ष) पुत्र अमरनाथ निवासी बेनीगंज हरदोई व गौरव तिवारी (26 वर्ष) पुत्र रामकुमार निवासी नव नगला बिलसंडा, पीलीभीत चोटिल हुए हैं। इनको अस्पताल ले जाया गया। मंदिर परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। स्थिति को देखते हुए मंदिर के गर्भगृह का मुख्य व निकास द्वार बंद करना पड़ा। बाहर से भक्तों ने जलाभिषेक किया।

रात एक बजे खोले गए थे मंदिर के कपाट

जनसमूह को देखते हुए रात एक बजे पौराणिक शिव मंदिर के कपाट खोल दिए गए थे। इससे पूर्व रात 12:00 बजे एसपी संकल्प शर्मा, एएसपी प्रकाश कुमार ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था संभाली। दावा किया जा रहा है कि सावन के तीसरे सोमवार को करीब तीन लाख श्रद्धालु आने का अनुमान है।

राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कांवरियों पर की पुष्प वर्षा

आर्यावर्त संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। गोला नगर में सावन माह के चलते अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में तीसरे सोमवार पर शिव भक्त कावरियों पर पुष्प वर्षा की गई। पुष्प वर्षा मोहम्मदी रोड अशोका ट्यूबल्स के निकट सहायता केंद्र पर फूल बरसाओ कांवरियों का स्वागत किया गया। पुष्प वर्षा के बाद भंडारे का आयोजन किया गया जो देर शाम तक चला। इस अवसर जिला मीडिया प्रभारी पंकज शुक्ला, अनुज वर्मा, मनोज वर्मा, अशोक जायसवाल, सुनील बाजपेई, अंशुल जायसवाल ,गगन कुमार, पारस श्रीवास्तव, राहुल शर्मा ,पुष्पेंद्र चौहान ,अंशु वर्मा ,अंकित वर्मा ,बिजेंद्र भारती, विकास कनौजिया, गोपाल गुप्ता, सुनील कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

100 में से दो-चार लड़कियां ही ...अब संत प्रेमानंद का बयान हुआ वायरल, अनिरुद्धाचार्य की तरह ये क्या बोल गए

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। इन दिनों वृंदावन के संतों को न जाने क्या हो गया है, वह लगातार अपने बयानों से चर्चाओं में रह रहे हैं। अभी हाल में अनिरुद्धाचार्य के बयान से महिलाओं में आक्रोश पैदा हो गया था। यहां तक कि महिला आयोग ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया। अब संत प्रेमानंद महाराज का बयान सुर्खियों में है। उन्होंने भी अनिरुद्धाचार्य से मिलता जुलता बयान दिया। उन्होंने कहा कि 100 में से 2-4 लड़कियां ही पवित्र आ रही हैं। आज कल सब गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के चक्कर में पड़े हैं।

गौरतलब है कि एकांतिक वार्तालाप के दौरान कही महाराज की यह बात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। जिसका लोग विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि वृंदावन के संतों को आखिर हो क्या गया है, वह लड़कियों को लेकर ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं, आखिर वह लड़कियों से चाहते क्या हैं।

इस मामले में कथावाचक कौशल ठाकुर का कहना है कि संतों के बिगडे. बोल अपने सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा रहे हैं। संतों को इस तरह की बयानबाजी नहीं करना चाहिए। कारोबारी रवि चौहान का कहना है कि नारी शक्ति को लेकर बार बार संत गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इनसे ज्यादा पवित्र कोई नहीं है। संतों को खुद ही सोचना चाहिए कि जिनसे जन्म लेते हैं, उसी नारी शक्ति के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। जितना नारी का सम्मान किया जाएगा उतना ही वर्चस्व बढ़ता जाएगा। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लालच में ऐसा कर रहे हैं, यह निंदनीय है।

अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ दी तहरीर

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ सोमवार को वृंदावन कोतवाली में तहरीर दी गई। ई रिक्शा संचालन समिति के ताराचंद गोस्वामी ने बताया कि उनकी ओर से मुकदमा दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया है।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने जिले के व्यापारियों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के नाम एक मांगपत्र सोमवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ल को सौंपा। इस मांगपत्र में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त समस्याओं और व्यापारिक बाधाओं का विवरण दिया गया है। मांगपत्र में औद्योगिक विकास के लिए प्रस्तावित निजी औद्योगिक पार्क की न्यूनतम भूमि सीमा को 10 एकड़ से घटाकर 5 एकड़ करने का अनुरोध किया गया है। इससे अधिक उद्यमी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। बिजली आपूर्ति की अव्यवस्था पर भी आपत्ति जताई गई है। लगातार ट्रिपिंग, अनियमित आपूर्ति, बिल सुधार के नाम पर अवैध वसूली और विजिलेंस टीम की मनमानी जैसी समस्याओं को उजागर किया गया है। साथ ही अधिकारियों की लापरवाही और दुर्व्यवहार पर भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई गई है। फूड विभाग से जुड़ी समस्याओं का भी ब्यौरा दिया गया है। फूड इंस्पेक्टर द्वारा व्यापारियों को बेवजह परेशान करने, प्राइवेट व्यक्तियों को साथ लेकर चलने और उन्हीं के माध्यम से सुविधा शुल्क मांगने की शिकायत की गई है। लाइसेंस फीस में विसंगति और अपमानजनक व्यवहार की शिकायत करते हुए शासन से पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। नगर पंचायतों और बाजारों में जलभराव की समस्या को भी चिन्हित किया गया है। बारिश के दौरान जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण उत्पन्न जलभराव की समस्या का समाधान मांगा गया है। नालियों की नियमित सफाई, जल निकासी हेतु स्टाफ की तैनाती और स्थायी समाधान के लिए प्लेज ड्रेन प्रस्तावित करने का आग्रह किया गया है। मांगपत्र के साथ 20 बाजारों में जलभराव की सूची भी संलग्न की गई है। रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि व्यापारिक हितों बढ़ावा देने के लिए प्रशासन का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने जिलाधिकारी से अपेक्षा की है कि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे सुलतानपुर जनपद का व्यापारिक वातावरण बेहतर बन सके।

काजी से लेडी डॉक्टर को मिलाया, फिर जुनैद बोला- अब से तुम मेरी बेगम, 5 मिनट में कैसे बदल दिया धर्म?

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश की आगरा पुलिस ने धर्मांतरण के मामले में जुनैद नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने हरियाणा के झज्जर की एक महिला डॉ का जबरन धर्मांतरण करवाकर उसे अपने चंगुल में फंसाकर उसके साथ रेप भी किया। फिलहाल पीड़िता ने आगरा पुलिस के संपर्क में है।

पीड़िता ने आपबीती सुनाई तो धर्मांतरण गैंग के एक और घिनौने चेहरे का पर्दाफांस हुआ। पीड़िता युवती हरियाणा के झज्जर की है। उसकी उम्र 25 साल बताई जा रही है। युवती ओडिशा से होम्योपैथी में ग्रेजुएशन कर चुकी थी। शिक्षित होने की वजह से महिला का ब्रेनवास करना संभव नहीं था।

ब्रेनवास करने में रहा असफल

युवती परिवार के दबाव को कम करने के लिए डॉक्टरी की पढ़ाई के साथ काम भी करना चाहती थी। इसके लिए उसने ऑनलाइन जॉब खोजना शुरु किया। इस दौरान युवती को आयशा नाम के लड़की के संपर्क में आई, जिसके बाद आयशा ने उसकी पहचान जयपुर के जुनैद से कराया। संपर्क में आने के बाद दोनों बातचीत करते थे। जुनैद काम में उसकी मदद करता था। इसी दौरान जुनैद ने युवती का ब्रेनवास करने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया।

5 मिनट में शादी और धर्मांतरण

अब तक युवती की पढ़ाई पूरी हो गई थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद युवती अपने घर जाने लगी, जिसकी जानकारी जुनैद को थी। जुनैद ने युवती को मिलने के लिए कहा जिस पर युवती ने हां बोल दिया। इसके बाद जुनैद युवती से मिलने दिल्ली आ गया। इसी दौरान जुनैद युवती को काजी के पास ले गया जहां वह सिर्फ पांच मिनट रुकी। बाहर निकलते ही जुनैद ने युवती से कहा कि हमारा निकाह हो गया है अब से वह उसकी बेगम है। यह सुनते ही युवती दंग रह गयी। इसके बाद जुनैद उसे बदनाम करने की धमकी देने लगा। वह उसे बार-बार मिलने का दबाव बनाने लगा। इसके बाद वह महिला को ब्लैकमेल करने लगा और उसके साथ गलत काम किये।

जांच में जुटी पुलिस

पीड़िता युवती ने के पिता ने बताया वह मजदूरी का काम करते हैं। उनकी बेटी कई महीने से परेशान थी मगर कुछ बताती नहीं थी। अब जाकर मामला सामने आया है। वह आरोपियों को सजा दिलाना चाहते हैं। मामले में पुलिस ने जयपुर निवासी जुनैद को पुलिस ने पकड़ लिया है। वह आगरा पुलिस की हिरासत में है। मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है साथ ही धर्मांतरण के इस नेटवर्क को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

दहेज प्रताड़ना का शिकार बन गयी विवाहिता

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली क्षेत्र धौरहरा के एक गांव में बीती रात एक नव विवाहिता की मौत होने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने अतिरिक्त दहेज की बात कहते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की बात कही। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार जिला सीतापुर के कोतवाली हरगांव क्षेत्र के ग्राम नूरपुर निवासी कृष्ण कुमार पुत्र किशोरी लाल मिश्रा ने सोमवार को धौरहरा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मैंने अपनी पुत्री की शादी अरसा करीब चार वर्ष पूर्व क्षेत्र के ग्राम हर्दी निवासी रामवीर के पुत्र सुबास के साथ सामर्थ के अनुसार दान दहेज देकर की थी।व अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए ससुर रामवीर,सास श्रीदेवी,देवर अभिशेक ने मिलकर मार डाला। पीड़ित पिता की तहरीर पर नायब तहसीलदार व पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम

उदासीन संगत आश्रम मामले में एसडीएम को दिये साक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के लखनऊ नाका स्थित म.न. 512 उदासीन संगत आश्रम गुरुद्वारा की करोड़ों की संपत्ति की विक्रय किए जाने के प्रकरण में भाजपा महिला मोर्चा सुल्तानपुर की निवर्तमान जिला मंत्री मंजू सागर कसौधन ने गुरुद्वारा के समस्त किरायदारों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय में उपजिलाधिकारी विपिन द्विवेदी को प्रकरण से संबंधित सभी अभिलेख जमा किया।

विदित हो कि मंजू सागर द्वारा बीते 14 जुलाई 2025 को सुल्तानपुर सदर विधायक विनोद सिंह को सपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार उर्फ राजू चौधरी द्वारा गुरुद्वारे की संपत्ति का फर्जी बैनामा करके विक्रय किए जाने की शिकायत की थी जिसमें विधायक द्वारा जिलाधिकारी को प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी उस क्रम में डीएम साहब द्वारा एसडीएम को जांच करने के लिए आदेशित किया था उक्त के क्रम में एसडीएम द्वारा मंजू सागर कसौधन को नोटिस के जरिए 21 जुलाई को प्रकरण से सम्बन्धित सभी साक्ष्य जमा करने के लिए कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था जिसमें कुछ साक्ष्य जमा किया गया था तथा शेष साक्ष्यों के लिए 7 कार्यदिवस का समय लिया गया था जिसके क्रम में सभी साक्ष्य संकलित करके आज मंजू सागर और गुरुद्वारा के किरायदारों ने एसडीएम को जमा किया तथा एसडीएम से निष्पक्ष जांच के लिए निवेदन किया। जिसमें उन्होंने निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सतवंत कौर, भगवंत कौर, दिलीप विश्वकर्मा, सरोज देवी, मनप्रीत सिंह, हरजीत कौर आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारी यूनियन पर भड़के ऊर्जा मंत्री, कहा- मुझसे जलने वाले सारे लोग इकट्ठे, दूसरे विभागों में क्यों नहीं होती हड़ताल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सिविल सेवा से इस्तीफा देने के बाद योगी आदित्यनाथ के कैबिनेट मंत्री शामिल ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा सुर्खियों में हैं। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री शर्मा बुधवार को एक बैठक में अपने विभाग के अधिकारियों से गुस्से में भिड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने भी ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की बैठक बुला ली थी। इन सबके बीच ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने अपने विभाग के 'मनमाने' और 'लापरवाह' अधिकारियों/कर्मचारियों पर निशाना साधा।

अरविंद कुमार शर्मा ने के कर्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की सुपारी लेने वालों में विद्युत कर्मचारी के वेश में कुछ अराजक तत्व भी हैं। कुछ विद्युत कर्मचारी नेता काफ़ी दिनों से परेशान घूम रहे हैं क्योंकि उनके सामने ऊर्जा मंत्री जी झुकते नहीं हैं। ये वही लोग हैं जिनकी वजह से बिजली विभाग बदनाम हो रहा है। ज्यादातर विद्युत अधिकारियों और कर्मियों के दिन-रात की मेहनत-पुरुषार्थ पर ये लोग पानी फेर रहे हैं।

पोस्ट में दावा किया गया है कि एके शर्मा जी के तीन वर्ष के कार्यकाल में ये लोग चार बार हड़ताल कर चुके हैं। पहली हड़ताल तो उनके मंत्री बनने के तीन दिन बाद ही होने वाली थी। अंततः बाहर से प्रेरित हड़ताल पर हड़ताल की इनकी श्रृंखला पर माननीय हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। अन्य विभागों में हड़ताल क्यों नहीं हो रही? वहाँ यूनियन नहीं हैं क्या? वहाँ समस्या या मुद्दे नहीं हैं क्या? इन लोगों द्वारा ली गई सुपारी के तहत ही कुछ दिन पहले ये अराजक तत्व ऊर्जा मंत्री जी के सरकारी निवास पर आकर निजीकरण के विरोध के नाम पर छ घंटे तक अनेक प्रकार की अभद्रता किये और उनके और परिवार के विरुद्ध असभ्य भाषा का प्रयोग किए। और ए के शर्मा ऐसे हैं कि इन्हें मिठाई खिलाये और पानी पिलाये तथा मिलने के लिए अढ़ाई घंटा प्रतीक्षा किए।

जहाँ तक निजीकरण का प्रश्न है इनसे कोई पूछे कि:

1. जब 2010 में टोरेंट कंपनी को निजीकरण करके आगरा दिया गया तब भी तुम लोग यूनियन लीडर थे। कैसे हो गया यह निजीकरण? सुना है वो शांति से इसलिए हो गया कि ये बड़े कर्मचारी नेता लोग हवाई जहाज़ से विदेश पर्यटन पर चले गए थे।

2. दूसरा प्रश्न यह है कि जब तुम लोग सारी बातें बारीकी से जानते हो तो यह भी जानते ही होगे कि निजीकरण का इतना बड़ा निर्णय अकेला ए के शर्मा का नहीं हो सकता। जब एक JE तक का ट्रांसफ़र ऊर्जा मंत्री नहीं करता, जब UPPCL प्रबंधन की सामान्य कार्यशैली स्वतंत्र है तो इतना बड़ा निर्णय कैसे ऊर्जा मंत्री अकेले कर सकता है?

3. तुम यह भी जानते हो कि वर्तमान में यह पूरा निर्णय चीफ सेक्रेटरी की अध्यक्षता में बनाई गई टास्क फोर्स ले रही है। उसके तहत ही सारी कार्यवाही हो रही है।

4. तुम लोग पूरी तरह जानते हो कि राज्य सरकार की उच्चस्तरीय अनुमति से ही औपचारिक शासनादेश हुआ है निजीकरण का।

पोस्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि लगता है कि ए के शर्मा जी से जलने वाले सभी लोग इकट्ठे हो गए हैं। लेकिन ईश्वर और जनता ए के शर्मा जी के साथ हैं। उनकी भावना बिजली की बेहतर व्यवस्था सहित जनता की बेहतर सेवा करने की है। और कुछ नहीं। जाको राखे साइयाँ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाग पंचमी पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाग पंचमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में भारतीय संस्कृति की प्राचीन एवं समृद्ध परंपरा का स्मरण करते हुए कहा कि नाग पंचमी का पर्व प्रकृति एवं जीव-जन्तु के साथ हमारे आत्मीय संबंध का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नाग पूजा का प्रचलन सदियों पुराना है और हमारे धर्मशास्त्रों में नाग को जागृत कुण्डलिनी शक्ति का स्वरूप माना गया है। भगवान विष्णु शेषनाग के ऊपर शयन करते हैं, जो उनके लिए छत्र की तरह छाया प्रदान करता है। साथ ही, भगवान शिव के आभूषणों में सर्प और नाग प्रमुख हैं, जो ज्ञान और मोक्ष के दाता माने जाते हैं। सावन मास में शिव पूजा का विशेष महत्व होता है और इसी माह में नाग पंचमी के पावन दिन नागों के साथ भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्त्व है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शक्ति के प्रतीक इस पर्व पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पारंपरिक रूप से कुश्ती और अन्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है, जिसमें जनता की बड़ी भागीदारी रहती है। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से पर्व और त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

लखनऊ नगर निगम ने वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम को लेकर बढ़ाई सक्रियता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मानसून की दस्तक के साथ ही डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे वेक्टर जनित रोगों की आशंका को देखते हुए नगर निगम लखनऊ ने संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी स्तरों पर अपनी सक्रियता तेज कर दी है। नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में फॉगिंग व एंटी लार्वा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही इन गतिविधियों की नियमित समीक्षा और क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा जमीनी स्तर पर उनकी निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।।[[जन-जागरूकता के लिए नगर निगम ने क्षेत्रवार एयरोड्रोनिक स्क्रीन और पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीए सिस्टम) के माध्यम से ऑडियो-विजुअल प्रचार अभियान शुरू किया है। इस प्रचार अभियान के जरिए नागरिकों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है, जो आगामी चार से पांच महीनों तक सतत रूप से प्रसारित की जाएगी।।[[साफ-सफाई और तकनीकी संसाधनों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। फॉगिंग और एंटी लार्वा अभियान में प्रयुक्त उपकरणों की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। किसी उपकरण के खराब होने पर मुख्य अभियंता (RR) को तत्काल मरम्मत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। फॉगिंग के लिए आवश्यक डीजल की निर्बाध आपूर्ति की जिम्मेदारी भी मुख्य अभियंता (RR) को सौंपी गई है।नालियों और जलजमाव वाले क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी सुनिश्चित कर मच्छरों के पनपने के स्रोतों को समाप्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं। नगर निगम द्वारा सोर्स रिडक्शन को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है, ताकि रोगों की जड़ पर प्रहार किया जा सके।।[[नगर निगम लखनऊ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घर और आसपास के क्षेत्रों की नियमित साफ-सफाई करें और किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना शीघ्र नगर निगम को दें।

अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में लिप्त दो शातिर युवक गिरफ्तार, तीन पिस्टल

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की कृष्णानगर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में संलिप्त दो शातिर युवकों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपितों के कब्जे से तीन अवैध पिस्टल, पांच जिन्दा कारतूस, तीन मैग्जीन तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर दक्षिणी जोन के पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल, अपर पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर विकास कुमार पांडेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक प्रद्युम्न कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने 28 जुलाई को गंगाखेड़ा रेलवे अंडरपास, पारा रोड लखनऊ के पास से आयुष सिंह उर्फ वैभव और निशांत पांडेय उर्फ नीशू नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में आजमगढ़ एवं वाराणसी मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के समग्र विकास के उद्देश्य से आज वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में आजमगढ़ एवं वाराणसी मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की स्थिति, जनअपेक्षाएं और प्राथमिक विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बैठक का उद्देश्य योजनाओं की प्रभावी समीक्षा के साथ ही जनोपयोगी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को सुनिश्चित करना बताया। उन्होंने लोक निर्माण, नगर विकास एवं पर्यटन विभाग से संबंधित प्रस्तावित कार्यों की विधानसभा वार चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता तय करें और तत्काल आवश्यक एस्टिमेट तैयार कर सभी औपचारिकताएं पूरी कराते हुए कार्य शुरू करें। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उन सड़कों, सेतु एवं लघु सेतुओं के निर्माण पर जोर दिया जिनकी सबसे अधिक आवश्यकता है, साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों, ब्लॉक मुख्यालयों और धार्मिक पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। चरणबद्ध तरीके से अन्य कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे। नगर विकास विभाग के कार्यों में भी जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव शामिल करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने पर्यटन विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कार्यों में ब्लॉक मुख्यालयों तक संपर्क मार्ग, इंटर कनेक्टिविटी मार्ग, धार्मिक स्थलों तक पहुंच मार्ग, आरओबी/बायपास, फ्लाईओवर, सेतु, लघु सेतु, ओडीआर/एमडीआर सड़कों का निर्माण, ब्लैक स्पॉट सुधार तथा पंटून पुल जैसे कार्य शामिल हैं, जो न केवल जनोपयोगी होंगे बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा हर जनोपयोगी और विकासपरक योजना को शीघ्रता से मूर्त रूप देने की है और इसके लिए संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। साथ ही उन्होंने कार्यों के गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण होने पर भी जोर दिया।

गैंग लीडर रोहित श्रीवास्तव की 65 हजार की आपराधिक संपत्ति कुर्क

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अपराध से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई की श्रृंखला में एक अहम कदम उठाते हुए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने शातिर अपराधी और गैंग लीडर रोहित श्रीवास्तव की ₹65,000 मूल्य की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) लखनऊ के न्यायालय से पारित आदेश के अनुसार, आरोपी रोहित श्रीवास्तव ने यह संपत्ति अपराध के जरिए अर्जित की थी। विशेष रूप से वर्ष 2022 में उसने एक TVS अपाचे मोटरसाइकिल (UP34 BP 2137) खरीदी थी, जिसकी मौजूदा न्यूनतम कीमत ₹65,000 आंकी गई है। जांच में स्पष्ट हुआ कि इस वाहन को खरीदने के लिए उसके पास वैध आय का कोई स्रोत नहीं था और यह रकम लूट, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों से प्राप्त की गई थी। रोहित श्रीवास्तव, उम्र लगभग 24 वर्ष, मूलतः ग्राम तरीनपुर, थाना कोतवाली, जनपद सीतापुर का निवासी है, जो वर्तमान में थाना गुड़म्बा क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ में रह रहा था। वह एक संगठित गिरोह का सरगना है जो लंबे समय से राजधानी लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लूट, नकबजनी, चोरी, चोरी की संपत्ति को छिपाने व बेचने जैसे संगीन अपराधों में संलिप्त रहा है। अब तक रोहित के विरुद्ध लखनऊ के मड़ियांव, इंदिरानगर, हसनगंज, विकासनगर, महानगर और वजीरगंज थानों में कुल 26 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें गैंगस्टर एक्ट और डकैती की धाराएं भी शामिल हैं।

डोम–मुसहर–नट–धरिकार–बासफोर गरीब समाज ने सौंपा मांगपत्र, 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में आज डोम-मुसहर-नट-धरिकार-बासफोर गरीब समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल को प्रस्तुत किया गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समाज के प्रमुख नेता अवधेश बागी मुर्दहवा ने किया।

ज्ञापन में समाज के विभिन्न वर्गों—डोम, मुसहर, नट, धरिकार, बांसफोर, पत्थरकट एवं थारू—की बुनियादी समस्याओं और उनके समाधान हेतु अनेक ठोस मांगें रखी गईं। इनमें प्रमुख रूप से जमीन के पट्टे, आवास, राशन कार्ड (प्रति यूनिट 25 किलो राशन), पीने के पानी के लिए सरकारी हैंडपम्प, ₹50 की सीमित दर पर बिजली बिल, बच्चों की शिक्षा हेतु सचल व्यवस्था और ₹5000 की प्रोत्साहन राशि, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के लिए स्मार्ट कार्ड, और जाति प्रमाण पत्र की व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं।अवधेश बागी ने कहा कि ये समाज लंबे समय से उपेक्षित हैं और उनके हक के लिए समाजवादी पार्टी ही एकमात्र उम्मीद है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि बांसफोर समाज को बांस की बढ़ती कीमतों और परिवहन की समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में सड़कों के किनारे वन विभाग की तर्ज पर बांस के बागवान लगाए जाने की मांग की गई, जिससे समुदाय स्वयं बांस खरीदकर अपनी पारंपरिक आजीविका चला सके।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि अखिलेश यादव इन मांगों के प्रति पूरी तरह गंभीर हैं और 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर उपेक्षित समाजों के साथ न्याय किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रमोद भास्कर (प्रदेश अध्यक्ष), बबलू बांसफोर (प्रदेश उपाध्यक्ष), झकड़ी बांसफोर (प्रदेश सचिव), लालजी बांसफोर (कोषाध्यक्ष), बिरेन्द्र कुमार (प्रचार प्रभारी), नखड़ू बांसफोर (संगठन प्रभारी), मनोज कुमार (प्रदेश प्रभारी), किताबू (संगठन मंत्री), पारस बांसफोर (मंडल अध्यक्ष मऊ), बीकेश कुमार (मंडल अध्यक्ष गाजीपुर), जयमंगल (जिलाध्यक्ष गाजीपुर) और अनिल कुमार (जिलाध्यक्ष मऊ) शामिल रहे।

अधिवक्ता की पत्नी की सोने की चेन अपार्टमेंट के गेट पर खड़े लुटेरे छीनकर फ़रार हो गए

लखनऊ। मूल रूप से 204/1 प्रयाग नारायण खेड़ा निकट रंगोली गेस्ट हाउस के पीछे थाना कोतवाली उन्नाव की रहने वाली विनीता तिवारी के अनुसार उनके पति योगेंद्र कुमार तिवारी अधिवक्ता है।इस समय उनकी ताबियत खराब होने के कारण उनका इलाज पीजीआई से चल रहा है।जिसके चलते वह लोग इस समय सी ब्लाक फ्लैट नं0 701संतुष्टि एन्क्लेव 1 सुशांत गोल्फ सिटी में अपने रिश्तेदारों के यहां रह रहे है।पीड़ता का कहना है कि वह रविवार की रात लगभग 10 बजे घर का कूड़ा व गाय के खाने की रोटी डालने बाहर तिराहे पर गई थी।वहां से वापस आते समय सोसाईटी के गेट पर खड़े 3 लोगों मे से एक ने उनकी सोने की चेन खींच ली।जिसपर उन्होंने शोर मचाना शुरू किया लेकिन तब तक तीनो युवक चेन लेकर तिराहे की ओर भाग गए।

गैंगस्टर राकेश शर्मा की 1.43 लाख की अवैध संपत्ति कुर्क, लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त गैंग लीडर राकेश शर्मा उर्फ राकेश कुमार शर्मा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी 1,43,539.94 रुपये की अवैध संपत्ति को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रिया-कलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई है। आदेश संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) लखनऊ के न्यायालय द्वारा पारित किया गया। प्रभारी निरीक्षक गोमतीनगर विस्तार की रिपोर्ट के अनुसार, राकेश शर्मा ने यह राशि आपराधिक गतिविधियों से अर्जित कर अपने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा विक्रमादित्य मार्ग स्थित खाता संख्या 11143506852 में जमा की थी। जांच में यह पाया गया कि आरोपी के पास इस धनराशि का कोई वैध स्रोत नहीं है और यह पूरी तरह अपराध से अर्जित की गई संपत्ति है। 42 वर्षीय राकेश शर्मा मूल रूप से जनपद मऊ के थाना सरायलखंसी क्षेत्र स्थित बरपुर का निवासी है, जो वर्तमान में लखनऊ के मटियारी स्थित रहमानपुर, गणेशपुर इलाके में रहता है। उसके खिलाफ वर्ष 2020 से अब तक लखनऊ के गोमतीनगर, हजरतगंज और वजीरगंज थानों में गंभीर धाराओं के तहत कुल आठ मुकदमे दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र, जबरन वसूली, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, मारपीट व गैंगस्टर एक्ट जैसी धाराएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, राकेश शर्मा एक सुसंगठित आपराधिक गिरोह का संचालन करता है।

लखनऊ में नाबालिग की निर्मम हत्या का खुलासा, आरोपी को 24 घंटे में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना गोमतीनगर क्षेत्र में दो वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या का मामला सामने आया था, जिसे पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया। हत्या के आरोपी जगन्नाथ सैनी को पुलिस ने क्षेत्र में चलाए गए व्यापक पतारसी अभियान के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मामले की शुरुआत तब हुई जब नंदनी देवी ने पुलिस को बताया कि उसके पति जगन्नाथ सैनी ने उनके दो वर्षीय बेटे आदित्य के साथ मारपीट की है। बताया गया कि आरोपी और उसकी दूसरी पत्नी के बीच सौतेले बेटे को लेकर विवाद रहता था। 27 जुलाई को जब नंदनी काम पर गई हुई थी, तब आरोपी ने गुस्से में आकर आदित्य को मारपीट की, जिससे बच्चा बेहोश हो गया। बच्चे को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोमतीनगर पुलिस अधीक्षक बृजेश चंद्र तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में सघन जांच कर आरोपी का पता लगाया। मुखबिर की सूचना के आधार पर बड़ी जुगौली तिराहे के पास आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की दो शादियां हैं, जिसमें पहली पत्नी से उसके तीन बच्चे हैं और दूसरी पत्नी से आदित्य था। आरोपी सौतेले बेटे को अपने साथ रखने को लेकर परेशान रहता था, जिसके कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ हत्या की संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी के अन्य संभावित अपराधों की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से लखनऊ पुलिस ने यह संदेश दिया है कि वह हर हाल में मासूमों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। पुलिस ने मामले की शीघ्र जांच और गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मियों की सराहना की है। इस घटना ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की जरूरत को रेखांकित किया है और आम जनता में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाया है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश चंद्र तिवारी, निरीक्षक पंकज कुमार सिंह, कांस्टेबल दीपक यादव, कांस्टेबल आकाश यादव, कांस्टेबल शुभम कुमार यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस की तत्परता और गंभीर अपराधों से निपटने की क्षमता का प्रमाण है, जिससे शहर में कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

पीड़ता ने गांव के ही रहने वाले एक दंपत्ति पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायत की है

लखनऊ। मस्तेमऊ गांव की रहने वाली रामरती पुत्री लालता के अनुसार 26/27 जुलाई की रात करीब साढ़े बारह बजे गांव के ही रहने वाले संदीप पुत्र रामदीन व बहू संजना घर में घुस आये और गालियां देते हुये सरिया डण्डों से मारने की धमकी देने लगे।जिसपर पीड़ता ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी जिसपर पुलिस आई और समझा बुझा कर चली गई।इसके बाद आरोपितों ने उसके घर की लाईट काट दी और सादा कागज लेकर आये और अंगूठा लगवाने का प्रयास करते हुए कहने लगे की यह मकान हमारे नाम लिखो नहीं तो आज ही तुम्हे मार कर खत्म कर देंगे।जिसका विरोध करने पर पीड़ता को आरोपित संदीप ने सरिया और संजना ने डण्डे से पीटना शुरु कर दिया।पीड़ता का आरोप है कि इस सम्बन्ध में उसने 4जुलाई2025 व 16जुलाई 2025 को भी कर चुकी है।फिर भी उसने पूरे मामले की लिखित शिकायत सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस से की है।

शातिर महिला गैंगस्टर शकुंतला शर्मा की 44 लाख की फॉर्च्यूनर कुर्क

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में चिनहट थाना क्षेत्र में रह रही शातिर महिला अपराधी शकुंतला शर्मा की करीब 44 लाख 67 हजार रुपये की लग्जरी फॉर्च्यूनर कार को कुर्क करने का आदेश जारी किया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) लखनऊ के न्यायालय से पारित आदेश में स्पष्ट किया गया कि अभियुक्ता ने यह वाहन अपराध से अर्जित धन के माध्यम से खरीदा था। शकुंतला शर्मा ने दिनांक 20 अक्टूबर 2024 को फॉर्च्यूनर लेजेंडर एटी (UP32 PX 6660) वाहन 44,67,353 रुपये में खरीदा था, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है। जांच में पाया गया कि इस संपत्ति के लिए उसके पास कोई वैध आय का स्रोत नहीं था। 38 वर्षीय शकुंतला शर्मा मूलतः मऊ जनपद के सरायलखंसी थाना क्षेत्र स्थित बरपुर गांव की निवासी है और वर्तमान में मटियारी क्षेत्र के गणेशपुर रहमानपुर, निकट दयाल फार्म हाउस, थाना चिनहट, लखनऊ में रह रही थी। पुलिस रिपोर्ट में उसे एक संगठित अपराध सिंडिकेट की सक्रिय सदस्य बताया गया है, जो अपने गैंग के साथ मिलकर विभिन्न आर्थिक अपराधों को अंजाम देती रही है। गोमतीनगर थाने में वर्ष 2024 से अब तक उसके खिलाफ कुल चार संगीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें आपराधिक षड्यंत्र, जालसाजी, धोखाधड़ी, कूटरचना, आपराधिक भय, न्यास भंग, और भय उत्पन्न कर वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। वहीं, वर्ष 2025 में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। पुलिस की विवेचना में सामने आया कि अभियुक्ता ने सुनियोजित तरीके से संगठित गिरोह तैयार कर आर्थिक, भौतिक और भौगोलिक लाभ के लिए अपराधों को अंजाम दिया और अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की। उसने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर खुद के नाम पर वाहन पंजीकृत कराया और आपराधिक गतिविधियों के जरिए अर्जित धन को वैध स्वरूप देने की कोशिश की। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा की गई यह कार्रवाई न केवल आर्थिक अपराधियों को चेतावनी देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराध से अर्जित संपत्ति चाहे जितनी भी महंगी या हाई-प्रोफाइल क्यों न हो, वह कानून की नजर से नहीं बच सकती।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर भाजपा और द्रमुक में क्यों हो रही है खींचतान?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है। सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, DMK के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,800 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और 'आदि तिरुवाथिरै' महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है। जहां तक यह सवाल है कि क्यों DMK और BJP चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हज़ार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं?

हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम (1014–1044 ई.) को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें ₹गंगैकोंडा चोल₹ की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। देखा जाये तो DMK के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। DMK चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा DMK इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है। दूसरी ओर, BJP की रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को 'हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति' के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव BJP की व्यापक 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा BJP तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है।

पंजाबी अखबारों की राय: धनखड़ के इस्तीफे ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे और कामकाज ठप होने पर जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- संसद में पहले ही दिन इतना हंगामा क्यों मचा, जबकि सत्र से पहले इस बात पर पूरी सहमति थी कि सभी दलों की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने, मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से सभी 12 आरोपियों के बरी होने और संसद के हंगामेदार मानसून सत्र पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे से उठ रहे कई सवाल सही हैं और उनका जवाब मिलना चाहिए, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि जवाब मिलेंगे या नहीं। उनका इस्तीफा इसलिए भी अधिक आश्चर्यजनक है, क्योंकि दिन में वे सदन में सक्रिय थे और रात में उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद हो गए और फिर वे इस हद तक बढ़ गए कि उन्होंने इस्तीफा देना ही उचित समझा। अखबार लिखता है- उपराष्ट्रपति का इस्तीफ़ा ऐसे समय में आया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने की जद्दोजहद में लगी हुई है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी उम्मीदवार ढूंढना होगा। ज़ाहिर है जगदीप धनखड़ ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'रोजाना स्पोक्समैन' लिखता है- धनखड़ ने अपना राजनीतिक जीवन जनता दल से शुरू किया और प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। जनता दल के पतन के बाद, वे कांग्रेस में शामिल हो गए। वह 2003 से भाजपा में थे और उसी पार्टी ने उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया। अगस्त 2022 में, उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव जीता। जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- वे पिछले तीन सालों से उपराष्ट्रपति पद पर थे, समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट बयानों से सरकार सहित अन्य पक्ष नाराज होते देखे गए। इस घटना ने निस्संदेह भारत के संसदीय इतिहास में एक नया और अनूठा अध्याय जोड़ा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे को लागू करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। इससे पहले उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने और आर. वेकटरमन ने इस्तीफ़ा दिया था, लेकिन दोनों के इस्तीफ़े की वजह ख़ास थी। यह समझना मुश्किल नहीं है कि धनखड़ के इस्तीफे का कारण सिर्फ़ स्वास्थ्य समस्याएं नहीं हैं, बल्कि असली कारण को छुपाया जा रहा है। जालंधर से प्रकाशित 'नवां जमाना' लिखता है- कुछ सांसदों का दावा है कि धनखड़ को पहले से ही पता था कि उनका इस्तीफा मांगा जाएगा, यही वजह है कि उन्होंने जानबूझकर सत्र के पहले दिन खड़गे को बोलने का समय दिया। उनके मुताबिक, इस्तीफ़ा भी किसी ताकतवर नेता ने लिखा था, धनखड़ ने सिर्फ़ दस्तख़त किए थे। अगले साल मई में वे 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। आरएसएस ने नरेंद्र मोदी पर इस्तीफ़ा देने का दबाव बनाने के लिए धनखड़ को इस्तीफ़ा देने के लिए राज़ी किया है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- उपराष्ट्रपति के इस्तीफा देने के निर्णय को विडंबनापूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसमें विपक्ष की भूमिका में बदलाव आया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस जैसी पार्टियां उन पर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही की मांग कर रही थीं। आज, वे यह दावा करके उनकी प्रतिष्ठा का बचाव कर रहे हैं कि उनके जाने के पीछे गहरे कारण हैं। भाजपा की चुप्पी इस कहानी को और हवा दे रही है। उनके आलोचकों ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जो संवैधानिक निष्पक्षता और पार्टी निष्ठा के बीच की रेखा को धुंधला कर रहा था।

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी करने पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- मुंबई ट्रेन बम विस्फोट भारत में हुए अब तक के सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक था। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना अपराध साबित करने में नाकाम रहा है। अखबार लिखता है- ऐसे समय में जब 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से एनआईए पूछताछ कर रही है और पहलगाम हमले की जांच जारी है, पाकिस्तान को भारत की जांच एजेंसियों पर सवाल उठाने का हौसला मिलेगा। जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है- निचली अदालत ने लगभग 9 साल बाद अपना फैसला सुनाया, जबकि बॉम्बे हाईकोर्ट की विशेष पीठ को भी अपना फैसला सुनाने में लगभग 9 साल लग गए। इस कानूनी पचड़े में सिर्फ़ पीड़ितों का ही नुकसान होगा, जिन्हें न्याय के लिए अभी और इंतज़ार करना होगा। अखबार लिखता है- हमारा कानून उन लोगों के बारे में चुप है जो बिना कोई अपराध किए 17 साल से जेल में हैं। क्या वे बिना किसी गलती के अपनी ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा जेल में बिताने के लिए मुआवज़े के हक़दार नहीं हैं? जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- यदि आतंकवाद के सबसे गंभीर मामलों में हमारी न्यायिक प्रणाली इतनी धीमी गति से काम करती है, तो यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारत आतंकवाद से सख्ती से निपट रहा है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय समुदाय यह भी सवाल उठा सकता है कि भारत की जांच एजेंसियां और न्यायिक प्रणाली आतंकवाद के गंभीर मामलों में भी सतर्क और सक्रिय क्यों नहीं हैं। पटियाला से प्रकाशित 'रोजाना आशियाना' लिखता है- यह मामला निचली अदालतों के काम करने के तरीके पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश को उम्मीद है कि इस बार तथ्य सही ढंग से पेश किए जाएंगे। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे और कामकाज ठप होने पर जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- संसद में पहले ही दिन इतना हंगामा क्यों मचा, जबकि सत्र से पहले इस बात पर पूरी सहमति थी कि सभी दलों की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- विपक्ष लंबे समय से मांग कर रहा है कि पहलगाम और उसके जवाब, ऑपरेशन सिंदूर के बारे में खुली चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष सरकार से जानना चाहता है कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस नाज़ुक समय में बड़े पैमाने पर संशोधन के पीछे असली मकसद क्या है। वहीं उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे को लेकर अब एक नया सवाल खड़ा हो गया है। अखबार लिखता है- ऐसा लगता है कि जब तक प्रधानमंत्री संसद में उपस्थित नहीं होंगे, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित रहेगी। पटियाला से प्रकाशित 'चढ़दीकलां' लिखता है- हाल ही में संसद के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ और भाषा विवाद जैसे मुद्दों पर झड़पें हुई हैं, लेकिन उम्मीद है कि ये झड़पें सदन के भीतर सकारात्मक बहस तक ही सीमित रहेंगी। पटियाला से प्रकाशित 'रोजाना आशियाना' लिखता है, विपक्ष ने अपना एजेंडा तय किया है, लेकिन ध्यान रखा जाना चाहिए कि सत्र शोर-शराबे और हंगामे की भेंट न चढ़ जाए। अखबार लिखता है- इस मामले में इस साल के बजट सत्र को उदाहरण बनाया जा सकता है।

ब्लॉग

सर्वाधिक विवादास्पद राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहे हैं धनखड़

योगेंद्र योगी

कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा।

जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे।

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई।

जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं।

उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सड़कों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे है, वे किसान नहीं है। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव-भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं लेकिन सदन की मर्यादा समझिए।

दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरा वाला बयान दिया। जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है।

धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ पूरे प्रोटोकॉल के तहत राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं।

गहलोत ने उपराष्ट्रपति धनखड़ पर तंज कसते हुए कहा था कि आप उपराष्ट्रपति हैं। आपका स्वागत है। लेकिन इस तरीके से बार-बार राजस्थान में अपना दौरा करेंगे तो, जनता तो सब समझती है। इस दौरे को करने की क्या तुक हैं। जनता समझती है। राजस्थान में चुनाव है, इसलिए उपराष्ट्रपति भी सक्रिय हैं। संविधान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों के लिए विशेष प्रावधान और सम्मान है। सवाल यह है कि इन प्रावधानों और सम्मान के विपरीत पदों को विवादित बनाने से इन पदों की गरिमा कैसे बनी रहेगी, यह इन पदों पर आसीन लोगों के विचारणीय प्रश्न है।

अजब-गजब

बदनाम घर" में जॉब का मिला ऑफर, काम से कॉन्फिडेंस हुआ हाई... फिर महिला ने खोला चौंकाने वाला राज

मजबूरी में इंसान न जाने क्या-क्या कर जाता है। गरीबी में कोई भीख मांगने लगता है, तो कोई गलत रास्ते पर भी चल पड़ता है। कई बार तो ऐसा होता है कि इंसान अपनी जरूरतों के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाना शुरू कर देता है। यूं तो आपने ऐसी कई संघर्ष की कहानियों के बारे में पढ़ा और सुना होगा, लेकिन इन दिनों जो किस्सा सामने आया हैउसने हर किसी को हैरान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली क्रिस्टल गैलट्री की ज़िंदगी में भी एक वक्त ऐसी ही चुनौती आ गई थी।

अपनी कहानी के बारे में गैलट्री ने बताया कि क्रिस्टल आज एक सक्सेसफुल कंटेंट क्रिएटर हैं, लेकिन यह मुकाम मैंने एक मुश्किल और जटिल रास्ते से हासिल किया है। महामारी के दौर में उनकी अच्छी-खासी नौकरी चली गई। ये समय थोड़ा मुश्किल था क्योंकि यहां अपने गुजारे के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़ते थे। ऐसे में एक अंजान शख्स ने मुझे नौकरी का ऑफर दिया। जिसने मेरे सामने बस इतनी सी शर्त रखी कि मुझे अच्छा दिखना है और इसके लिए मैं राजी हो गई। हालांकि जब मैं पहली बार उस जगह पहुंचीं, तो मैंने खुद को एक बेहद अलग और चौंका देने वाली दुनिया में पाया।

हालांकि इस घर की असलियत मुझे उस समय पता चली जब मैं उस बदनाम घर में पहुंची। जहां मुझे डोर गर्ल के तौर पर काम करना था यानी वहां आने वाले ग्राहकों को एंट्री देना, कमरे चेक करना और टाइम मैनेज करना। हालांकि यहां मेरा काम और व्यवहार देखने के बाद मुझे 'मैडम' की जिम्मेदारी मिल गई जो उस पूरे घर का प्रबंधन करती है। अपनी इस जिम्मेदारी के दौरान मैंने अडल्ट इंडस्ट्री के छिपे पहलुओं और सच्चाइयों को बहुत नजदीक से देखा। यहां सबसे चुनौतीपूर्ण वो महिलाएं थीं, जो मानसिक या भावनात्मक परेशानियों के साथ यहां आती थीं। क्रिस्टल ने आगे कहा कि यहां आने वाले कई ग्राहक समाज में प्रतिष्ठित, अमीर और जिम्मेदार लोग होते थे। अब भले ही समाज देह व्यापार को गलत नजरिए से देखता हो लेकिन मेरे लिए ये एक ऐसा माध्यम है, जिसके सहारे लोग अपने खोए हुए आत्मविश्वास को वापस पा सकते हैं। हाल ही में वे यूट्यूबर @dannyrants के पॉडकास्ट में भी आईं, जहां उन्होंने इंडस्ट्री से जुड़े अनसुने पहलुओं पर खुलकर बात की।

2 मौत-32 घायल...बंदर ने बिजली का तार तोड़ा और फैला करंट, औसानेश्वर मंदिर में कैसे मची भगदड़?

आर्यावर्त संवाददाता

बारांबकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में स्थित अवसानेश्वर महादेव मंदिर में एक बड़ा हादसा हो गया। मंदिर में रविवार रात को सावन के तीसरे सोमवार पर रात 12 बजे के बाद जलाभिषेक शुरू हुआ। इसी दौरान करीब 2 बजे मंदिर परिसर में अचानक करंट फैल गया। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में दो लोगों की मौत हो गई और 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए।

अवसानेश्वर मंदिर में बंदरों द्वारा बिजली का तार तोड़ दिया गया था। इसके बाद तार गिरने से वहां टीन शेड में करंट फैल गया और भगदड़ मच गई। हादसे के बाद मंदिर परिसर और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि अवसानेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बिजली का तार टूटा, जिससे वहां टीन शेड में करंट आ गया और लोग घबरा गए।

एक श्रद्धालु ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

इसी से मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई। हादसे में कम से कम 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें से दो की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गांव निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य 30 वर्षीय श्रद्धालु शामिल है। 30 साल के श्रद्धालु ने त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज के दौरान दम तोड़ा। अधिकारियों ने बताया कि सीएचसी में कुल 10 घायल लाए गए। जिनमें से पांच की हालत गंभीर होने के चलते उनको उच्च स्तरीय केंद्र रेफर किया गया।

डीएम ने क्या बताया?

वहीं हैदरगढ़ सीएचसी में 26 घायलों को भर्ती कराया गया, जिनमें से एक को गंभीर स्थिति में किसी अन्य अस्पताल में रेफर किया गया है। जिलाधिकारी (डीएम) शशांक त्रिपाठी ने बताया कि मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बंदरों ने बिजली का तार तोड़ दिया, जिससे टीन शेड में करंट आ गया। इसके बाद परिसर में भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में दो व्यक्तियों की जान गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। घायलों का सीएचसी एवं जिला अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल मंदिर में स्थिति सामान्य है। बाद में श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना दोबारा शुरू कर दी।

एटीएम की रीसायकल मशीन में किया खेला, उड़ा डाले 1.39 करोड़... कंपनी का कर्मचारी भी था शामिल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर की किदवई नगर पुलिस ने एटीएम की कैश रीसायकल मशीन (सीआरएम) से छेड़छाड़ कर 1 करोड़ 39 लाख रुपए गायब करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 21 मार्च से 24 अप्रैल के बीच किदवई नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम की सीआरएम मशीन से छेड़छाड़ करके यह रुपए पार किए गए थे।

इसकी रिपोर्ट बैंक में नगदी जमा करने वाली हिताची कंपनी के मैनेजर घनश्याम ओमर ने थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपनी जांच में एटीएम की फुटेज से आरोपियों की पहचान की और उनको गिरफ्तार किया। डीपी साउथ दीपेंद्र चौधरी ने आरोपियों की गिरफ्तारी और रिकवरी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एटीएम से पैसे गायब करने की इस घटना में पुलिस के हाथ सबसे पहले कंपनी में कस्टोडियन का काम करने वाला दीपक जायसवाल लगा।

कंपनी के कस्टोडियन ने सब उगला

पुलिस पूछताछ में दीपक जायसवाल ने बताया कि वो कंपनी में कस्टोडियन का काम करता था। उसने बताया कि देवकी नगर के रहने वाले उसके साथी विपिन दीक्षित, सीओडी कॉलोनी निवासी आशीष त्रिपाठी और दो अन्य सगे भाई अंकित व आशीष इस घटना में शामिल थे। इसके बाद सभी को कानपुर पुलिस ने दबोच लिया और उनके पास से 11 लाख रुपए नकद और सोने की चेन बरामद की, जो सीआरएम मशीन से निकल गए पैसों से खरीदी गई थी।

अब तक 38 लाख रुपए कि बरामदगी

कैश जमा निकासी मशीन से पार हुए करोड़ों रुपयों के पीछे कंपनी का ही कर्मचारी शामिल था। रविवार को इन सभी आरोपियों को पुलिस ने रिमांड पर लिया और अब तक 38 लाख रुपए कि बरामदगी कर ली है। डीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि किदवई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद कानपुर पुलिस ने एटीएम की सीसीटीवी फुटेज निकाली, जिसमें मकसूदाबाद का रहने वाला दीपक जायसवाल दिखाई पड़ा। वो कंपनी में ही कस्टोडियन का काम करता था। इसके बाद उसको हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसने अपने अन्य साथी आरोपियों के नाम भी बता दिए। फिर एक-एक करके सभी को दबोचा गया। साथ ही उनके पास मौजूद नगद रुपए बरामद किए गए। पहले चरण में आरोपियों के पास से 16 लाख की रिकवरी हुई। फिर जेल से रिमांड पर ले जाने के बाद 11 लाख 80 हजार रुपए और बरामद किए गए। साथ ही एटीएम से निकाले गए पैसों से खरीदे गए सोने के आभूषण भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

गलती पुलिस की और सजा युवक को... 17 साल तक लड़ा केस, काटी जेल की सजा ; नाम में एक अक्षर की वजह से तबाह हुई जिंदगी

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक शख्स को बिना उसकी गलती के 22 दिन जेल काटनी पड़ी और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए 17 साल तक केस लड़ना पड़ा। एक अक्षर की गलती की वजह से उन्हें ये सजा काटनी पड़ी। इस दौरान सुनवाई के लिए 300 बार उन्हें कोर्ट भी जाना पड़ा। पुलिस राजवीर सिंह को गिरोहबंद अपराध के केस में गिरफ्तार कर लिया था, जबकि आरोपी रामवीर सिंह था।

ये मामला साल 2008 में शुरू हुआ था। जब पुलिस ने राजवीर सिंह, मनोज यादव, प्रवेश यादव और भोला को गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार किया था। पुलिस की ओर से कहा गया कि उनका आपराधिक इतिहास रहा है और उन पर तीन केस पहले से दर्ज हैं। लेकिन ये क्राइम रिकॉर्ड और केस राजवीर के खिलाफ नहीं बल्कि उनके भाई रामवीर के खिलाफ दर्ज थे। लेकिन एक अक्षर की गलती की वजह से राजवीर को 17 सालों तक केस लड़ना पड़ा और कोर्ट के चक्कर काटने पड़े।

राजवीर को गिरफ्तार कर लिया

2008 में शहर कोतवाली के तत्कालीन इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने नगला भंत के रहने वाले इन आरोपियों के साथ राजवीर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया था। केस की विवेचना दन्नाहार थाना पुलिस को सौंप दी गई थी। फिर उप निरीक्षक विवेचक शिवसागर दीक्षित ने सभी आरोपियों के साथ रामवीर की जगह राजवीर को गिरफ्तार कर लिया था। राजवीर ने पहले बिना किसी गुनाह के 22 दिन जेल की सजा काटी और उसके बाद गैंगस्टर केस की सुनवाई के लिए आगरा में लगने वाली कोर्ट में पहुंचे।

पुलिसकर्मियों ने मानी अपनी गलती

जब राजवीर कोर्ट गए तो तत्कालीन इंस्पेक्टर ओमप्रकाश, विवेचक शिवसागर दीक्षित और SI राधेश्याम को तलब किया। दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अब कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने कबूल किया कि गलती से केस में राजवीर का नाम रामवीर की जगह पर दर्ज हो गया था। उनके भाई रामवीर का आपराधिक इतिहास रहा है। टाइपिंग एरर की वजह से राजवीर का नाम दर्ज हो गया था। हालांकि अब राजवीर सिंह को न्याय मिल गया है और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के आदेश दे दिए गए हैं, लेकिन राजवीर के 17 साल कोर्ट के चक्कर काटने और सुनवाई में जाने में निकल गए। पुलिस की एक अक्षर की गलती की वजह से वह इतने साल तक अपने आप को बेगुनाह साबित करने के लिए लड़ाई लड़ते रहे।

प्रेमी को बेटी के कमरे में भेजा... फिर लगा दी कुंडी, हैरान कर देगी मां की करतूत

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में एक नाबालिग युवती ने अपनी मां पर गंभीर आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि उसकी मां ने अपने प्रेमी से उसका रेप करवाया। इस घटना के संबंध में पीड़िता ने पुलिस में तहरीर दी है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी मां और उसके प्रेमी खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जांच भी शुरू कर दी गई है।

हालांकि पुलिस ने इस वारदात के पीछे सोची समझी साजिश की आशंका भी जताई है। पीड़िता औरैया के कोतवाली थाना इलाके की रहने वाली है। उसने पुलिस को बताया कि वो 11वीं कक्षा की छात्र है। उसकी मां का गांव के एक युवक के साथ अवैध संबंध है। युवक का नाम करन है। वो अक्सर उसकी मां से मिलने आया करता था। मां उसके आते ही उसको कमरे में बुलाती थी। फिर दरवाजा बंद कर लेती थी।

मां ने प्रेमी को कमरे में भेजा और लगा दी कुंडी

करन उसकी मां से दो दिन पहले भी मिलने के लिए आया था। उसी दौरान अचानक वो उसके कमरे में घुस आया और जबरन उसके साथ गलत काम किया। इतना ही नहीं उसकी मां ने एक दिन पहले खुद ही आरोपी युवक को उसके कमरे में भेजा और बाहर से दरवाजे पर कुंडी लगा दी। फिर उसके साथ हुए रेप का वीडियो भी बनाया। पीड़िता ने बताया कि जब उसने अपने साथ हुई घटना की शिकायत अपने पिता ने करनी चाही तो दोनों आरोपियों ने उसको मारा-पीटा। साथ ही वीडियो वायरल कर देने की भी धमकी दी। आरोपी करन उससे पहले भी कई बार छेड़खानी कर चुका है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

वारदात के पीछे हो सकती है साजिश

इस घटना के संबंध में कोतवाल राजकुमार सिंह का कहना है कि पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। पीड़िता बार-बार अपना बयान बदल रही है। उसके आरोपों में तारतम्यता का आभाव है। आशंका है कि पीड़िता अपनी मां को फंसाना चाहती है। घटना की जांच में अब तक पता चला है कि पीड़िता की मां और उसके पिता के बीच विवाद है। विवाद में पीड़िता पिता के साथ खड़ी है। घटना को लेकर पुलिस की छानबीन जारी है।

चार अभियुक्तों को जनपद की सीमा से 6 माह की अवधि के लिये निष्कासित करने का आदेश पारित

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में जघन्य अपराध में संलिप्त व गुण्डा अभ्यस्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में थाना सुबेहा पुलिस द्वारा अभियुक्तगण रामबरन पुत्र जगरूप राजकरन पुत्र जगरूप निवासी ग्राम पूरे ठकुराइन मजरे कोलवा थाना सुबेहा रामहरख पासी पुत्र स्व0 सुंदर पासी निवासी ग्राम गुमान सिंह का पुरवा मजरे कोलवा थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी के विरुद्ध चोरी नकबजनी जैसे कृत्यों में संलिप्त होने पर अभियोग पंजीकृत किए गए तथा साथ ही अभियुक्तगण की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने सम्बन्धी बीट सूचना भी अंकित की गयी है। थाना रामसनेहीघाट पुलिस द्वारा प्रेम नारायण यादव पुत्र स्व0 हरविंश यादव निवासी ग्राम लालपुर मजरे लालपुर राजपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी के विरुद्ध सरकारी कार्यालय में घुसकर फर्जी भुगतान कराने की धमकी देने, गाली-गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने तथा सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान पहुंचाने जैसे कृत्यों संलिप्त होने पर अभियोग पंजीकृत किए गए तथा साथ ही अभियुक्त की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने सम्बन्धी बीट सूचना भी अंकित की गयी है। थाना सुबेहा व रामसनेहीघाट पुलिस द्वारा अभियुक्तगण की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु चिन्हित कर जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी को आख्या प्रेषित की गयी जिसके आधार पर जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी द्वारा अभियुक्तगण को जनपद की सीमा से 6 माह की अवधि के लिये निष्कासित करने का आदेश पारित कर दिया गया।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के मुख्य रास्ते के बगल खाली पड़े भूमि पर नगर पालिका द्वारा सेल्फी पॉइंट बनाने पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

बलरामपुर। उतरौला नगर में स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार के दांयी तरफ खाली पड़े भूमि पर नगर पालिका परिषद द्वारा सेल्फी प्वाइंट निर्माण के विरोध में छात्राओं ने प्रदर्शन किया। छात्राओं का कहना है कि वह इस स्थान पर अपनी साइकिल खड़ी करती हैं।सेल्फी प्वाइंट बन जाने के बाद यहां पर सेल्फी लेने के लिए दिन भर शोहदों की भीड़ रहेगी और छात्राओं को साइकिल खड़ी करने के लिए कोई स्थान शेष नहीं बचेगा। हालांकि सेल्फी पॉइंट निर्माण के शुरुआत में ही विद्यालय की शिक्षिकाओं ने यहां पर सेल्फी प्वाइंट न बनाए जाने को लेकर विधायक उतरौला, जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, नगर पालिका परिषद व जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र लिखा था।

'भैंस भी हो गई चोरी, पत्नी की इज्जत भी गई...' सदमे में पति ने थाने के सामने लगाई फांसी, दीवार पर लिख गया सिपाही की हैवानियत की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। भैंस चोरी की शिकायत दर्ज कराने के बाद जांच के नाम पर एक कांस्टेबल ने डरा-धमकाकर एक महिला से अवैध संबंध बनाए। कांस्टेबल की शर्मनाक हरकत का पता जैसे ही महिला के पति को लगा, वो सदमे में आ गया। उसने पुलिस चौकी के सामने फांसी लगाकर जान दे दी।

मामला हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के निवासी रंजीत कुमार यादव ने अपनी भैंस के गुम हो जाने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। यह मामला जांच के लिए हरिहरपुर पुलिस चौकी स्थानांतरित किया गया। यहां कांस्टेबल शेष कुमार मामले की जांच कर रहा था। आरोप है कि सिपाही ने जांच के नाम पर रंजीत की पत्नी को धमकाकर उससे अवैध संबंध बनाए। जब रंजीत ने इसका विरोध किया तो सिपाही ने उसे भी डरा-धमकाकर चुप रहने के लिए मजबूर किया।

पुलिसिया दबाव और अपमान से टूट चुके रंजीत ने पुलिस चौकी के सामने दीवार पर सुसाइड से पहले पूरी कहानी लिखी और फिर फांसी लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम को दीवार पर लिखा सुसाइड नोट मिला, जिसमें रंजीत ने साफ तौर पर अपनी मौत के लिए सिपाही शेष कुमार को जिम्मेदार ठहराया है।

पत्नी ने भी सिपाही पर लगाए गंभीर आरोप

रंजीत की पत्नी ने भी अपने बयान में सिपाही के साथ अवैध संबंध होने की बात स्वीकार की है। उसने बताया कि सिपाही उसे धमकाकर इस घिनौने काम के लिए मजबूर करता था। पूरे गांव में घटना को लेकर गम और गुस्से का माहौल है। लोग सिपाही की करतूत को लेकर पुलिस प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

आरोपी सिपाही गिरफ्तार, जांच जारी

हरदोई के अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र सिंह ने बताया कि प्राप्त साक्ष्यों और पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर आरोपी सिपाही शेष कुमार पहली नजर में दोषी पाया गया है। उसे तत्काल निलंबित कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने किया ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशानिर्देश

बलरामपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का जायजा लिया एवं रैंडम आधार पर पूर्व की रिकॉर्डिंग को देखा ।

उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था , अग्निशम यंत्र संचालन की पूर्ण जानकारी होने सहित अन्य आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार, जिला पंचायत अधिकारी , अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी, अधिशाषी अभियंता विद्युत , सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

वाराणसी की दालमंडी का क्या मिट जाएगा वजूद? लोगों ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, बिस्मिल्लाह खान से है कनेक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के चौक थाने से कुछ कदमों की दूरी पर आप जब खड़े होते हैं तो एक चौराहे सा बनता है। यहां आपके सामने बाबा विश्वनाथ का दरबार होता है और पीछे चौक का इलाका। आपके बाएं हाथ में महाश्मशान मणिकर्निका घाट है, जबकि दाहिने हाथ एक गली चौक से नई सड़क को जोड़ती है। यही गली दालमंडी है।

दालमंडी से इस बात का भ्रम होता है कि शायद यहां कभी दाल का कारोबार होता हो या गल्ले की कोई मंडी रही हो। लेकिन सच तो ये है कि यहां ऐसा कोई व्यापार कभी हुआ ही नही। ये मोहल्ला तो सरकारी दस्तावेजों में गोविंदपुरा कलां के नाम से दर्ज है, जबकि चौक से नई सड़क को जोड़ने वाली इस गली का नाम हकीम मोहम्मद ज़ाफ़र मार्ग है। लेकिन लोगों की ज़बान पर दालमंडी ही चढ़ा हुआ है। यहां के लोगों को दालमंडी पर बुलडोजर चलने का खतरा सता रहा है।

योगी सरकार ने नई सड़क से चौक के बीच 15 फीट चौड़े रास्ते में बसे दालमंडी को काशी विश्वनाथ धाम जाने के विकल्प मार्ग के तौर पर डेवलप करने की योजना बनाई है। इस योजना में 15 फीट रास्ते को साढ़े सत्रह मीटर तक चौड़ा करने का प्लान है। इस प्लान पर सरकार 225 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। 194 करोड़ रुपये यहां लोगों को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा। वहीं 30 करोड़ से 650 मीटर लंबे और करीब 60 फीट चौड़े सड़क का निर्माण होगा। इस कार्य में दालमंडी की 189 दुकानें और 6 पुरानी मस्जिदें बुलडोजर की जद में आने वाली हैं। इनमें लंगड़े हाफिज मस्जिद , निसारण मस्जिद , रंगीले शाह मस्जिद , अली रज़ा ख़ान मस्जिद , संगमरमर मस्जिद , और मिर्ज़ा करीमुल्ला बेग की मस्जिद शामिल हैं। ये माना जा रहा है कि इससे दस हज़ार के आसपास छोटे और मझोले व्यापारी इसकी वजह से विस्थापित होंगे।

वाराणसी के मुफ़्ती-ए- शहर अब्दुल बातिन नोमानी ने राष्ट्रपति को एक पत्र लिख कर योगी सरकार के इस फैसले को रोकने का अनुरोध किया है। वाराणसी के शहर-ए-मुफ़्ती अब्दुल बातिन नोमानी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर दालमंडी में चौड़ीकरण की कार्रवाई रोकने की मांग की है। शहर-ए-मुफ़्ती ने राष्ट्रपति को लिखे लेटर में ये कहा है कि 650 मीटर की सड़क को जिसकी चौडाई 13 फुट है। इसको बढ़ाकर 56 फुट करने की योजना है। इससे दस हज़ार से ज़्यादा लोगों की रोज़ी रोटी प्रभावित होगी। 6 मस्जिदें टूटेंगी और बनारस की एक पूरी संस्कृति खत्म हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट से इस इलाके में बहुत बड़ा सामाजिक आर्थिक नुकसान होगा। शहर-ए-मुफ़्ती ने कहा कि ये अगर इतना ही जरूरी है तो दशास्वमेध थाने वाली 40 मीटर की सड़क को चौड़ा कर के वैकल्पिक रास्ता बनाया जा सकता है।

बिस्मिल्लाह खान इसी दालमंडी के रहने वाले

अब्दुल बातिन नोमानी ने लिखा है कि राष्ट्रपति जी वाराणसी की संस्कृति और सौहार्द को बनाए रखने के लिए सरकार को ये निर्देश दें कि इस प्रोजेक्ट को वो स्थगित कर दें। भारत रत्न और शहनाई के जादूगर जिनकी धुन पर देश में आजादी की पहली सुबह आई उस्ताद बिस्मिल्लाह खान इसी दालमंडी के हड़हा सराय कटरे के रहने वाले थे। बिस्मिल्लाह खान कहा करते थे कि यदि दालमंडी न होती तो बिस्मिल्लाह नहीं होते। आज भी उनके परिवार के लोग यहां रहते हैं। उनके पोते नासिर अब्बास बिस्मिल्लाह बताते हैं कि दालमंडी की गायकी से खान साहब बहुत मुतासिर थे। हर साल मुहर्रम पर पांचवी और आठवीं मुहर्रम को खान साहब शहनाई बजाया करते थे।

20 गुम मोबाइल बरामद कर आवेदकों को किया गया सुपुर्द

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जनपद बाराबंकी के थाना असन्द्रा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से गुम व खोए हुए मोबाइलों को C.E.I.R. पोर्टल (सेन्ट्रल इक्विपमेन्ट आइडेन्टिटी रजिस्टर) के माध्यम से कुल 20 अदद गुमशुदा मोबाईल को बरामद करते हुए सम्बन्धित आवेदकगण को सुपुर्द किया गया। आवेदकगण द्वारा मोबाइल मिलने के पश्चात थाना असन्द्रा पुलिस टीम को धन्यवाद व्यक्त किया गया।

पुराने जमाने से बेहतर हैं मॉडर्न पेरेंट्स? इन अलग तरीकों से कर रहे हैं अपने बच्चों की परवरिश

आज की मॉडर्न जेनरेशन कई मामलों में अपने मां-बाप या पहले की जेनरेशन से बेहतर है और इसमें पेरेंटिंग भी शामिल है। जानिए आज की जेनेरेशन पेरेंटिंग में क्यों बेहतर है।

हर जेनरेशन के सोचने का तरीका और अपने रिश्तों को निभाने का तरीका अलग होता है। आजकल की जेनरेशन के पेरेंट्स अपने बच्चों की परवरिश अलग तरीके से करते हैं जो कि उनके खुद के मां-बाप से हटके है। आपने खुद भी इस बात को नोटिस किया होगा कि आज की जेनरेशन के लोग अपने बच्चों की परवरिश कुछ अलग तरीके से कर रहे हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि आज की जेनरेशन के पेरेंट्स अपने बच्चों की परवरिश किस तरह से कर रहे हैं और वो अपने खुद के पेरेंट्स से कैसे अलग हैं।

संपूर्ण विकास पर देना है ध्यान

मॉडर्न पेरेंट्स अपने बच्चे के संपूर्ण विकास पर ध्यान दे रहे हैं। इसमें बच्चे के भावनात्मक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसकी पढ़ाई, स्पोर्ट्स और एक्स्ट्रा कर्रिकुलर एक्टिविटीज के बीच तालमेल बनाकर रखा जा रहा है। वो बच्चों को पढ़ाई में अव्वल आने के लिए तो प्रेरित कर ही रहे हैं साथ ही खेलकूद की मदद से फिजिकल एक्टिविटी और टीमवर्क भी सिखा रहे हैं।

खुलकर करते हैं बात

अब मां-बाप अपने बच्चों के साथ पेरेंट ही नहीं बल्कि उनके दोस्त बनकर भी रहते हैं। वो अपने बच्चे को उनसे खुलकर बात करने की आजादी देते हैं जहां बच्चा उनसे वो सब कह सकता है जो उसके मन में है। इससे बच्चे को समय पर सही सलाह और मार्गदर्शन मिल पाता है। इससे पेरेंट का अपने बच्चे का साथ रिश्ता भी मजबूत हो रहा है।

जेंडर न्यूट्रैलिटी

पहले जहां कुछ खास तरह के काम और स्पोर्ट्स जेंडर पर आधारित हुआ करते थे, वहीं अब इसका परिदृश्य बदल रहा है। अब लड़कियां भी क्रिकेट की फील्ड में आ गई हैं और मां-बाप कम उम्र से ही लड़कों को घर के कामों में हाथ बंटाने की सीख दे रहे हैं। अब लड़कों को बचपन में ये नहीं कहा जा रहा है कि रोना तो लड़कियों का काम है।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना

अब लोगों को ये बात बहुत अच्छी तरह से समझ आ गई है कि शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी होता है। बच्चे की इमोशनल हेल्थ के लिए पेरेंट्स घर पर खुशनुमा और सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा अब बच्चों या खुद पेरेंट्स के लिए भी थेरेपिस्ट की मदद लेना गलत नहीं रहा है।

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

मॉडर्न पेरेंट्स को ये तो पता है कि बच्चों की डेवलपमेंट और सुरक्षा के लिए तकनीक बहुत आवश्यक है लेकिन वो इस बात पर भी नजर रखते हैं कि उनका बच्चा टेक्नोलॉजी का गलत तरीके से इस्तेमाल न करे। पेरेंट्स ने बच्चों के लिए तकनीक को लेकर कुछ हेल्दी बाउंड्री भी सेट की हैं जिन्हें बच्चे खुश होकर फॉलो करते हैं।

घोड़ा छोड़ व्हील चेयर पर आया इस एक्ट्रेस का दूल्हा, दुल्हनिया ने भी तीन तरह के गाउन पहन खूब ढाया कहर

कहते हैं कि प्यार में कोई शर्त नहीं होती, ये तो हो जाता है, कभी भी किसी को भी और किसी से भी। तभी तो न प्यार में लुक्स मायने रखते हैं और न ही कोई कमी। प्यार करने वाला अपने पार्टनर की कमियों से नहीं, बल्कि खूबियों से इश्क करता है। अब आप ये सोच रहे होंगे कि आखिर हम यहां कहना क्या चाह रहे हैं, तो बता दें कि 'माई स्वीट रोमांस' फेम कोरियन एक्ट्रेस सोंग जी यून ने अपने लॉन्ग टाइम यूट्यूबर बॉयफ्रेंड पार्क वी से शादी कर ली, जो पिछले 10 साल से व्हील चेयर पर हैं।

शादी में दोनों की जोड़ी कमाल की लग रही है, तो राजकुमार की तरह घोड़े की बजाए व्हील चेयर पर अपनी शादी में आए पार्क और सोंग के प्यार की मिसाल दी जा रही है। वहीं, उनके वेडिंग लुक्स भी फैंस का दिल जीत गए हैं। जिसमें दुल्हनिया तीन अलग-अलग आउटफिट्स में कहर ढा गईं, तो पार्क भी कम स्टाइलिश नहीं लगे। आइए उनके लुक्स पर नजर डालते हैं।

पहले पार्क के हादसे के बारे में जान लीजिए

पार्क वी जाने-माने डायरेक्टर पार्क चैन हॉन्ग के बेटे हैं। उन्होंने कई शानदार कोरियन ड्रामों में एक्टिंग भी की, लेकिन 2014 में एक हादसे ने पार्क की जिंदगी बदल दी। जब एक्टर एक बिल्डिंग से गिर गए और उनकी स्पाइन डेमेज होने के साथ ही पूरी बॉडी में पैरालिसिस हो गया। लेकिन, पार्क की हिम्मत ने उन्हें आधा ठीक करके इस काबिल बना दिया कि वह अब व्हील चेयर पर बैठकर अपना यूट्यूब चैनल 'WERACLE' भी चला रहे हैं।

ऑफ शोल्डर ब्राइडल गाउन में छाईं सोंग

सोंग ने पार्क के साथ अपनी वेडिंग सेरेमनी की कई सारी फोटोज शेयर की हैं। जिसे देख एक बार तो किसी के-ड्रामे वाली फील आ रही है। जैसे कि यहां सोंग स्ट्रैपलेस कॉरसेट स्टाइल गाउन पहने हुए हैं। जिसके स्कर्ट पोर्शन में खूब सारी फ्लेयर्स के साथ ट्रेल देकर इसे एकदम ड्रीमी लुक दिया। बैंग्स वाले बालों को कभी हसीना ने वैवी करके हाफ पिनअप किया, तो कभी वह बन बनाए दिखीं। वहीं, ग्रे कलर के ब्लेजर और पैंट्स के साथ वाइट टी-शर्ट और शूज में पार्क कमाल के लगे।हंसते- मुस्कुराते नजर आ रहे दूल्हा-दुल्हम ने हाथों में फूल भी ले रखे हैं।

ये लुक भी है कमाल

दूसरे लुक के लिए सोंग ने ऑफ शोल्डर लेस डीटेलिंग वाला गाउन पहना, तो पार्क ब्लैक ब्लेजर और पैंट्स में नजर आए। ब्राइड के गाउन को एकदम बॉडी फिटेड बनाया गया है। जिस पर फ्लावर पैटर्न वाला लेस डिजाइन है। वहीं, इसकी स्लीव्स नेट की हैं और लोअर पोर्शन में उन्होंने वाइट बॉडी हगिंग स्कर्ट के ऊपर लेस वाले फैब्रिक वाला गाउन पहना। जिसमें खूबसूरत सी ट्रेल दी गई, जो ग्लैम कोशेंट को इनहैंस कर रही है।

यहां तो छा गई नई नवेली जोड़ी

सोंग और पार्क का ये वेडिंग लुक तो कमाल का है। जिसमें पार्क एक ओर ऑल ब्लैक लुक में नजर आए, तो दूसरी तरफ उन्होंने वाइट शर्ट और ब्लैक टाई लगाई। वहीं, सोंग वाइट सिल्वर शाइनी से गाउन में कहर ही ढा गईं। इस वन स्टेप गाउन को बॉडी हगिंग बनाया गया है, तो स्कर्ट पोर्शन में फ्लेयर्स डालकर शानदार फ्लो दिया है। जिससे गाउन की हेमलाइन खूबसूरत लग रही है। वहीं, खुले लहराते बालों में दुल्हनिया का अंदाज तो देखते ही बनता है।

मिनिमल मेकअप और जूलरी से लुक को बनाया परफेक्ट

एक्ट्रेस ने अपने ब्राइडल लुक को परफेक्ट बनाने के लिए मेकअप और जूलरी के मामले में कुछ भी एक्स्ट्रा या ओवर द टॉप नहीं किया है। हसीना या तो खुले वैवी बालों में दिखीं या उन्होंने बन बनाया। साथ ही पिंक लिप्स के साथ पिंकिश टोन मेकअप उन पर खूब जचा। वहीं, जूलरी के नाम पर भी वह बस डायमंड ईयररिंग्स पहने दिखीं। जिसमें उनका नूर देखते ही बनता है, तो प्यारी सी मुस्कान हर फोटो की जान बन गई।

बालों के झड़ने का कारण कहीं ये चीज तो नहीं, भुलकर भी न करें इसका इस्तेमाल

यही नहीं कुछ लोग तो मेडिकल ट्रीटमेंट की भी मदद लेते हैं, लेकिन झड़ते बालों को मजबूत बनाने के लिए लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जो उन्हें भूलकर भी नहीं करनी चाहिए।

बालों के झडने से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं. ऐसे में वह कई प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। यही नहीं कुछ लोग तो मेडिकल ट्रीटमेंट की भी मदद लेते हैं, लेकिन झड़ते बालों को मजबूत बनाने के लिए लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जो उन्हें भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। आइए जानते हैं उन गलतियों के बारे में जिससे बाल और ज्यादा झडने लगते हैं।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

बालों का झडना एक आम समस्या है, लेकिन बाल जब जरूरत से ज्यादा झडने लगे, तो इसके कई कारण हो सकते हैं। अधिकतर लड़के लड़कियां बालों में नए-नए प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ प्रोडक्ट में केमिकल मिला होने की वजह से बाल कमजोर पड़ते हैं और झडने लगते हैं। ऐसे में आपको किसी डॉक्टर या हेयर स्पेशलिस्ट की मदद लेनी चाहिए और अपने प्रोडक्ट को अपने बालों के हिसाब से चुनना चाहिए।

हिट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल

कई बार लड़के लड़कियां स्ट्रेटनर, कर्लर जैसे कई हिट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से भी बाल कमजोर पडने लगते हैं, बालों की नमी खत्म हो जाती है और बाल लगातार झडने लगते हैं।

हेयर कलर

कुछ लोग हेयर कलर करवा लेते हैं, लेकिन हेयर कलर में मौजूद रसायन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और इससे भी बाल झडने लगते हैं। ऐसे में हेयर कलर करने से पहले हेयर स्पेशलिस्ट या किसी डॉक्टर की सलाह जरूर है।

प्रोटीन, विटामिन की कमी

कई बार प्रोटीन की कमी की वजह से भी बाल झडने लगते हैं और बालों का विकास रुक जाता है। यही नहीं आयरन की कमी से भी एनीमिया होता है, जिससे बालों का झडना और अधिक बढ़ जाता है। बालों का झडना विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन डी और विटामिन ई की कमी से भी बढने लगता है। ऐसे में आप स्वस्थ और संतुलित आहार का सेवन करें और प्रोटीन विटामिन की कमी को पूरा करें।

पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें

आप दिन भर में भरपूर पानी पिए, पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें। इसके अलावा अगर आपको डायबिटीज, थायराइड जैसी बीमारी है, तो डॉक्टर को बालों के झडने की समस्या भी बताएं। इन सभी चीजों को करने के बाद भी अगर आपके बाल झडना बंद नहीं हो रहे हैं, तो आप किसी अच्छे पेशेवर डॉक्टर की मदद ले सकते हैं।

ओपीएस, एनपीएस और यूपीएस- कर्मचारियों के लिए किस योजना में क्या है?

पुरानी पेंशन योजना के तहत आमतौर पर अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत कर्मचारियों को पेंशन के रूप में मिलता था। इसके अलावा महंगाई के हिसाब से भी पेंशन में बदलाव किया जाता था।

2003 में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) समाप्त होने के बाद से ही यह सरकारी कर्मचारियों के लिए अहम मुद्दा रहा है. 2004 में केंद्र सरकार नई पेंशन योजना (एनपीएस) लेकर आई थी जिसका कर्मचारी संगठनों ने भारी विरोध किया। अब सरकार एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लेकर आई है। कई कर्मचारी संगठन इससे भी ख़ुश नहीं हैं।

पुरानी पेंशन योजना के तहत आमतौर पर अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत कर्मचारियों को पेंशन के रूप में मिलता था। इसके अलावा महंगाई के हिसाब से भी पेंशन में बदलाव किया जाता था।

वहीं, नई पेंशन योजना यानी एनपीएस के तहत कर्मचारी को पेंशन फ़ंड में योगदान देना होता है। इसमें एक हिस्सा कर्मचारी और एक हिस्सा नियोक्ता की तरफ़ से आता है। रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन इस फ़ंड से ही निर्धारित होती है। अब 2024 में लाई गई एकीकृत पेंशन योजना के तहत भी कर्मचारियों और नियोक्ता को तय योगदान पेंशन फ़ंड में करना होगा और इसी फ़ंड से पेंशन निर्धारित होगी। यूपीएस के तहत सेवा अवधि की भी पेंशन की गणना में अहम भूमिका होगी। तो फिर पुरानी पेंशन योजना, नई पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन योजना से किस तरह पेंशन निर्धारित होगी इसे एक साधारण गणना से समझते हैं।

पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस)

ओपीएस के तहत, पेंशन आमतौर पर वेतन का 50% होता है, और इसमें महंगाई भत्ता (डीए) भी शामिल होता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी का सालाना वेतन ₹15 लाख है, तो उनकी मासिक पेंशन लगभग ₹62,500 होगी (₹15 लाख का 50% = ₹7।5 लाख सालाना, या ₹62,500 प्रति माह)। इस योजना के तहत पेंशनधारी को यह राशि जीवनभर मिलती है। यही नहीं महंगाई भत्ते के हिसाब से इस राशि में समय-समय पर इज़ाफ़ा भी होता है।

नई पेंशन योजना

एनपीएस के तहत, कर्मचारी को एक पेंशन फ़ंड में योगदान देना होता है, जिसमें एक हिस्सा कर्मचारी और एक हिस्सा नियोक्ता की तरफ़ से दिया जाता है।

आमतौर पर, एनपीएस में कुल वेतन का 10% कर्मचारी और 14% नियोक्ता योगदान करता है। अगर आप सालाना ₹15 लाख वेतन पर 10% योगदान मानते हैं, तो सालाना योगदानः ₹1।5 लाख (कर्मचारी) + ₹2।1 लाख (नियोक्ता) = ₹3.6 लाख होगा। एनपीएस में कर्मचारी को निवेश की योजना और रिटर्न के आधार पर पेंशन मिलेगी, और यह पेंशन भविष्य में कर्मचारी जिस निवेश योजना को चुनता है उसके रिटर्न पर यह पेंशन निर्भर करेगी। इसलिए ही, नई पेंशन योजना के तहत एक सटीक राशि का पूर्वानुमान देना मुश्किल है, लेकिन यह आमतौर पर पुरानी पेंशन योजना से कम होती है। नई पेंशन योजना के तहत महंगाई भत्ते के अनुसार बदलाव भी नहीं होता है। यानी इस योजना के तहत पेंशन की राशि समान रहती है।

यूपीएस

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की गणना भारत में पेंशन की राशि निर्धारित करने के लिए कुछ प्रमुख तत्वों पर आधारित होती है, जैसे सेवा अवधि, अंतिम औसत वेतन और पेंशन प्रतिशत।

सेवा अवधि (सर्विस पीरियड)

यानी कर्मचारी की कुल सेवा की अवधि, जिसे आमतौर पर वर्षों में मापा जाता है। यूपीएस के तहत पेंशन राशि की गणना में सेवा अवधि ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इसके अलावा, अंतिम वेतन या औसत वेतन से भी पेंशन राशि तय होगी। कर्मचारी की पेंशन राशि सामान्यतः अंतिम वेतन या सेवा अवधि के दौरान औसत वेतन के आधार पर तय होगी।

यूपीएस के तहत पेंशन प्रतिशत भी अहम है। पेंशन राशि की गणना के लिए उपयोग में लाए जाने वाले प्रतिशत को निश्चित किया जाता है। यह प्रतिशत सेवा अवधि और वेतन के आधार पर निर्धारित होता है।

अगर इन तत्वों को ध्यान में रखते हुए हम सामान्य तरीक़े से गणना करें तो पेंशन की राशि की गणना नीचे दिए गए फॉर्मूले का उपयोग करके की जा सकती है।

पेंशन राशि = (अंतिम वेतन/औसत वेतन) × पेंशन प्रतिशत × सेवा अवधि

उदाहरण के लिए, अगर आपकी सेवा अवधि 30 वर्ष है, अंतिम वेतन ₹50,000 है, और पेंशन प्रतिशत 50% है, तो गणना इस प्रकार हो सकती है-

पेंशन राशि = ₹50,000 × 50% × (30/30) = ₹25,000 प्रति माह

यानी पचास हज़ार रुपये के अंतिम वेतन पर आपको 25 हज़ार रुपये महीना की पेंशन मिल सकती है।

इस पेंशन योजना के तहत महंगाई भत्ते को भी शामिल किया गया है और बढ़ती महंगाई के साथ ये बढ़ेगी।

छंटनी के एलान के बाद टीसीएस के शेयर दो फीसदी तक टूटे, कंपनी 12000 कर्मचारियों को बाहर कर रही

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में सोमवार को करीब दो प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी ने बताया है कि वह इस साल अपने वैश्विक कार्यबल में से करीब 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। बीएसई पर शेयर 1.69 प्रतिशत गिरकर 3,081.20 रुपये पर आ गया। एनएसई में यह 1.7 प्रतिशत गिरकर 3,081.60 रुपये पर आ गया। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस इस वर्ष अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग 2 प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है, जिनमें से अधिकांश मध्यम और वरिष्ठ ग्रेड के होंगे।

30 जून, 2025 तक, टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की। टीसीएस ने एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की 'भविष्य के लिए तैयार संगठन' बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो प्रौद्योगिकी, एआई तैनाती, बाजार विस्तार और कार्यबल पुनर्गठन में निवेश पर केंद्रित है।

टीसीएस कहा है कि कंपनी में बदलाव की प्रक्रिया चल रही है। इसके एक हिस्से के रूप में, हम संगठन से उन सहयोगियों को भी मुक्त करेंगे जिनकी तैनाती संभव नहीं हो सकती है। इसका प्रभाव हमारे वैश्विक कार्यबल के लगभग 2 प्रतिशत पर पड़ेगा। इस कवायद से वर्ष के दौरान मुख्यतः मध्य और वरिष्ठ ग्रेड में तैनात कर्मचारी प्रभावित होंगे। टीसीएस प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, आउटप्लेसमेंट, परामर्श और सहायता प्रदान करेगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत की शीर्ष आईटी सेवा कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में एकल अंक में राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जो जून तिमाही के कुछ हद तक निराशाजनक रहने के बाद आई है, क्योंकि व्यापक आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के कारण वैश्विक तकनीकी मांग पर दबाव पड़ा और ग्राहकों के निर्णय लेने में देरी हुई।

च वर्षों में दोगुना हुआ प्रत्यक्ष कर संग्रह, ITR दाखिल करने वालों की संख्या में 36% इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले पांच वर्षों में दोगुना हो गया है। इसका मुख्य कारण देश का आर्थिक विकास, कर अनुपालन में सुधार और डिजिटल तकनीक का उपयोग है। पिछले पांच वर्षों में आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या में 36 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2020-21 में जहां 6.72 करोड़ ITR दाखिल किए गए थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर लगभग 9.19 करोड़ तक पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 में कुल सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 12.31 लाख करोड़ रुपये था। यह 2021-22 में बढ़कर 16.34 लाख करोड़ हो गया। इसके बाद यह 2022-23 में 19.72 लाख करोड़ रुपये और 2023-24 में 23.38 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। 2024-25 में यह बढ़कर 27.02 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी आर्थिक सुधार और कर वसूली की बेहतर व्यवस्था का नतीजा है। सरकार ने कर आधार बढ़ाने के लिए कई डिजिटल कदम उठाए हैं। देश में कर प्रणाली में समय के साथ तकनीकी बदलाव लाए गए हैं। 1995 में पैन नंबर की शुरुआत हुई, जिससे करदाताओं की पहचान आसान हुई और कर आधार का विस्तार हुआ। 2009 में केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी) और 2012 में ट्रेसेस प्रणाली शुरू हुआ, जिससे आईटीआर प्रक्रिया, रिफंड जारी करने और टीडीएस में गड़बड़ियों को सुधारने में मदद मिली। 2017 में पैन को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया शुरू हुई।

36 मिनट में अमेरिका को तहस-नहस कर देगा ईरान, चुपचाप बना ली ये मिसाइल

तेल अवीव, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर को लेकर दिए गए डेडलाइन से ठीक पहले ईरान ने अमेरिका तक मार करने वाला मिसाइल बना ली है। खोर्रमशहर-5 नामक यह मिसाइल ईरान की राजधानी तेहरान से अमेरिका पर आसानी से अटैक कर सकता है। मिसाइल को ईरान का सबसे खतरनाक मिसाइल बताया जा रहा है।

मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान ने खोर्रमशहर सीरिज के 4 मिसाइलों का जब प्रक्षेपण किया, तो उसकी जानकारी पूरी दुनिया को दी, लेकिन सीरिज के 5 नंबर मिसाइल का चुपचाप प्रक्षेपण कर लिया है।

खोर्रमशहर ईरान का एक मशहूर शहर है। इसी के नाम पर ईरान ने अपना मिसाइल तैयार किया है। खोर्रमशहर-5 को सबसे उन्नत किस्म का मिसाइल माना जा रहा है। इसकी मारक क्षमता 12 हजार किमी है। इसमें 2 टन का वॉरहेड है। इसकी गति 16 MAC है।

मेहर न्यूज एजेंसी का कहना है कि तेहरान से दागे जाने के बाद इस मिसाइल को अमेरिका पहुंचने में करीब 36 मिनट का समय लगेगा। ईरान की राजधानी तेहरान से अमेरिका की दूरी 11 हजार किमी के आसपास है।यानी इस मिसाइल का इस्तेमाल कर ईरान आसानी से अमेरिका पर अटैक कर सकता है। इजराइल जंग के दौरान हाल ही में देखा गया कि ईरान ने उसके शहरों पर खूब मिसाइल बरसाए। इजराइल के कई शहरों को तहस-नहस कर दिया। खोर्रमशहर-5 को लेकर अमेरिका ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

ईरान की स्थानीय मीडिया के मुताबिक खोर्रमशहर-5 का वॉरहेड 2 टन का है, जो अमेरिकी बंकर बस्टर बम के समकक्ष है। ईरान जंग पर अमेरिका ने यही बम उसके 3 परमाणु ठिकानों पर गिराया था।

ईरान के पास 30 अगस्त तक का वक्त

ईरान को यूरेनियम संवर्धन को लेकर 30 अगस्त तक का डेडलाइन मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम 30 अगस्त तक का इंतजार करेंगे। ईरान से अगर यूरेनियम संवर्धन को लेकर बातचीत नहीं होती है तो हम फैसला करेंगे। अमेरिका ईरान से शून्य संवर्धन करने के लिए कह रहा है। वहीं ईरान का कहना है कि वो परमाणु तो नहीं बनाएगा, लेकिन संवर्धन शून्य भी नहीं करेगा। जानकारों का कहना है कि ईरान के पास 400 किलो ग्राम यूरेनियम है। जून 2025 में यूरेनियम को लेकर ही ईरान और अमेरिका ने तेहरान के 3 ठिकानों पर अटैक किया था। 12 दिन तक चले इस जंग में ईरान के करीब एक दर्जन परमाणु वैज्ञानिक और सैन्य अफसर मारे गए।

अल्लाह हू अकबर-फ्लाइट को बम से उड़ा दूंगा... लंदन से उड़े विमान में पैसेंजर का हंगामा, वीडियो हुआ वायरल, स्कॉटलैंड में अरेस्ट

लंदन, एजेंसी। लंदन के ल्यूटन एयरपोर्ट से ग्लासगो जा रही ईजीजेट एयरलाइन की फ्लाइट में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। जिसमें फ्लाइट में मौजूद एक यात्री ने अचानक से हंगामा कर दिया। जिससे हड़चंप मच गया। हंगामा करने वाले यात्री ने जोर से चिल्लाते हुए विमान को बम से उड़ा देने की धमकी दी। उस व्यक्ति ने अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए, और ट्रंप मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। ऐसा करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ अभी भी जारी है।

जब ये फ्लाइट ग्लासगो एयरपोर्ट पर उतरी तब ट्रंप मुर्दाबाद के नारे लगाने वाले उस व्यक्ति को स्कॉटलैंड से गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो व्यक्ति चिल्लाते हुए कहता नजर आ रहा है कि मैं विमान को बम से उड़ा दूंगा। इसके अलावा वीडियो में वो अमेरिका मुर्दाबाद, ट्रंप मुर्दाबाद और 'अल्लाह हू अकबर'बोलता हुआ भी नजर आ रहा है। जिसके बाद फिर फ्लाइट में मौजूद दूसरे यात्री ने उसको पकड़कर गिरा दिया।

इसकी उम्र 41 साल की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार इंटरनेट पर वायरल हुए इस वीडियो की जांच आतंकवाद विरोधी विभाग कर रहा रहै है। ग्लासगो टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं, किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पांच दिन के दौरे पर स्कॉटलैंड गए हुए हैं। ट्रंप के यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ हुए एक महत्वपूर्ण समझौते के तहत ट्रान्साटलांटिक टैरिफ को लेकर चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया है, जिससे एक बड़े टकराव की आशंका टल गई है।

ट्रंप ने EU के साथ सबसे बड़े ट्रेड डील का किया ऐलान, 15% टैरिफ लगाएगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि वाशिंगटन और यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत सभी वस्तुओं पर 15 प्रतिशत टैरिफ और बड़े पैमाने पर ऊर्जा एवं सैन्य उपकरणों की खरीद पर अंतिम रूप दिया गया है। यूरोपीय संघ ने अपने अटलांटिक साझेदार के लिए अभूतपूर्व निवेश की प्रतिबद्धताएं भी व्यक्त की हैं। ट्रंप ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक चर्चा के दौरान इस समझौते को अब तक का सबसे बड़ा सौदा बताते हुए। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ अमेरिका से 750 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की ऊर्जा खरीदने और 600 अरब अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त निवेश करने पर सहमत हो गया है, जो उसके वर्तमान निवेश से कहीं अधिक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह कई देशों के साथ एक बड़ा सौदा है, क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, उर्सुला कई देशों का प्रतिनिधित्व करती हैं, सिर्फ एक नहीं। यूरोपीय संघ अमेरिका से 750 अरब डॉलर की ऊर्जा खरीदने के लिए सहमत होने जा रहा है। वे अमेरिका में निवेश भी करने जा रहे हैं, जो पहले से 600 अरब डॉलर अधिक है। वे अपने देशों को जीरो टैरिफ पर व्यापार करने के लिए खोलने पर भी सहमत हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वे भारी मात्रा में सैन्य उपकरण खरीदने के लिए सहमत हो रहे हैं। हमें सटीक संख्या नहीं पता, लेकिन अच्छी खबर यह है कि हम दुनिया में सबसे अच्छे सैन्य उपकरण बनाते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि जब तक कोई हमसे आगे नहीं निकल जाता, जो कि नहीं होगा, हम सैन्य तकनीक के मामले में हर दूसरे देश से बहुत आगे हैं। और हम ऑटोमोबाइल और बाकी सभी चीजों के लिए सीधे 15 प्रतिशत टैरिफ पर सहमत हो रहे हैं। मुझे लगता है कि मूल रूप से यह सौदा पूरा हो गया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि यह सौदा 1 अगस्त से प्रभावी होगा। वहीं वॉन डेर लेयेन ने ट्रंप के उत्साह को दोहराया, समझौते को एक बहुत बड़ा सौदा बताया जो अटलांटिक के दोनों ओर के व्यवसायों के लिए स्थिरता और पूर्वानुमान सुनिश्चित करता है। यह सभी समावेशी 15% टैरिफ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी जो निवेश का जिक्र किया है वह अमेरिका में जाएगा। और हमारी तरफ से यूरोपीय बाजार खुला है। यूरोपीय संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे पास दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक व्यापार सौदा है। यह स्थिरता लाएगा, जो अटलांटिक के दोनों ओर के व्यवसायों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह सभी क्षेत्रों में 15% टैरिफ है।

फिलिस्तीन को अलग मुल्क बनाकर रहेगा सऊदी! इजराइल के खिलाफ अब करने जा रहा ये काम

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन को अलग मुल्क बनाने को लेकर सऊदी अरब ने इजराइल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. पहले फ्रांस से फिलिस्तीन को मान्यता दिलाने के बाद अब सऊदी संयुक्त राष्ट्र संघ की एक बैठक की अध्यक्षता करने जा रहा है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन के 2 राष्ट्र सिद्धांत पर बहस होगी। फ्रांस 24 के मुताबिक यह बैठक पेरिस में 28 और 29 जुलाई को प्रस्तावित है। बैठक में मृत पड़ चुके 2 राष्ट्र के सिद्धांत को फिर से नए सिनेरियो में लाया जाएगा। यह बैठक ऐसे वक्त में होने जा रही है, जब गाजा में मानवीय आपदा को लेकर इजराइल बुरी तरह घिर चुका है।

फिलिस्तीन को लेकर एक्टिव है सऊदी अरब

फिलिस्तीन को अलग मुल्क बनाने को लेकर सऊदी अरब सबसे ज्यादा एक्टिव है। अल अरबिया के मुताबिक सऊदी पूरी दुनिया में 2 राष्ट्र के सिद्धांत को मुखर है। सऊदी के प्रयास के कारण ही फ्रांस ने इजराइल को दरकिनार कर फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है।

अब सम्मेलन के जरिए खेल करने की तैयारी

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस का मानना है कि फिलिस्तीन के अलग देश बनते ही गाजा और अन्य इलाकों में शांति आ जाएगी। सऊदी गाजा और हमास में शांति स्थापित करने को लेकर अहम भूमिका निभा रहा है।

यूएन सम्मेलन के जरिए अब सऊदी अरब इजराइल के खिलाफ खेल करने की तैयारी में है। फ्रांस के विदेश मंत्री के मुताबिक अब सबकी नजर ब्रिटेन पर है। ब्रिटेन अगर फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात करता है तो इजराइल के साथ बड़ा खेल हो सकता है। ब्रिटेन फ्रांस की तरह संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य है। इन दोनों देशों के साथ आने से इजराइल अलग-थलग पड़ जाएगा। क्योंकि चीन और रूस पहले से ही उसके खिलाफ है।

फिलिस्तीन को अलग मुल्क बनाने का विरोध क्यों?

इजराइल के प्रधानमंत्री का कहना है कि फिलिस्तीन को अगर अलग देश बनाया गया तो ये आतंकवादियों का अड्डा बन जाएगा। अलग देश बनते ही फिलिस्तीन को सेना और हथियार रखने की छूट मिल जाएगी। इजराइल को डर है कि इसके बाद फिलिस्तीन पूरी तरह ईरान के कंट्रोल में जाएगा। उसका दुश्मन ईरान उसकी सीमा के करीब आ जाएगा। यही वजह है कि इजराइल इसका खुलकर विरोध करता है।

मौलाना साजिद बयान पर कायम, संसद में एनडीए के प्रदर्शन पर डिंपल यादव ने दिलाई मणिपुर की याद

नई दिल्ली, एजेंसी। मौलाना साजिश रशीदी ने समाजवादी पार्टी की सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी की। इसी के बाद उन पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मौलाना का मुकदमा दर्ज होने के बाद बयान सामने आया है। वहीं, दूसरी तरफ इस मामले को लेकर संसद में एनडीए प्रदर्शन कर रहा है जिसको लेकर सांसद डिंपल यादव का रिएक्शन सामने आया है। सांसद ने मणिपुर की याद दिलाई।

मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ कमेंट को लेकर लखनऊ में मुकदमा दर्ज हो गया है। अब इस पर मौलाना का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, मुझे पता चला है कि मेरे खिलाफ FIR हुई है, लेकिन सवाल ये है कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है ? जिसकी वजह से एफआईआर तक नौबत पहुंच गई है, ऐसा क्या कर दिया है कि पार्लियामेंट में बकायदा इसके लिए विरोध प्रदर्शन हो रहा है, सांसद मिलकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

मौलाना अपने बयान पर कायम

मौलाना ने कहा, क्या मैंने कोई आतंकवादी हमला कर दिया या मैं मुसलमान हूं, इसीलिए मेरे खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है। मस्जिद की मर्यादा मस्जिद की मर्यादा नहीं है? डिंपल यादव एक इंसान की मर्यादा मंदिर और मस्जिद से बड़ी हो गई है? क्या डिंपल यादव पूजा अर्चना जो करती हैं वह इस हालत में कर लेती हैं, जिस हालत में मस्जिद में बैठी हुई थी? इसीलिए मेरा मानना यह है मैंने कोई ऐसा अमर्यादित बयान नहीं दिया है। मैंने इस्लामी मान्यताओं को सामने रखते हुए यह बयान दिया है और मैं अपने बयान पर अडिग हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं जिस समाज और जगह से आता हूं। वहां अगर लड़की के सिर से पल्लू भी हट जाता है। उसको भी बोल देते हैं कि तू नंगी घूम रही है। यह ऐसा कोई भी विवादित बयान नहीं है। जानबूझकर लोग इसको विवादित बना रहे हैं और मेरा पूरा बयान दिखाने की जगह सिर्फ एक लफ्ज को लेकर चल रहे हैं। मैंने क्यों बोला है किस अवस्था में बोला है इस पर समीक्षा होगी जांच होगी, जो होगा देखा जाएगा।

"जानबूझकर पैदा किया गया विवाद"

हर तरफ से उनके इस बयान पर सामने आ रहे रिएक्शन और एनडीए सांसदों ने संसद में जो प्रदर्शन किया। इसको लेकर मौलाना ने कहा, सब सियासी लोग हैं, सियासी रोटियां सेंकने के लिए वोट बैंक को साधने के लिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। मैं इस्लामिक विद्वान हूं तो ऐसा बयान क्यों नहीं दूंगा, उसके लिए अखिलेश यादव थोड़ी ना बयान देंगे। मुझे पता है, मस्जिद की मर्यादा क्या है, मान्यताएं क्या है। यह जानबूझकर विवाद पैदा किया गया है। मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी की तरफ से और अखिलेश यादव की तरफ से। ये सांसद हैं एक कांस्टीट्यूएंसी को रिप्रेजेंट करते हैं उनको चाहिए था की मस्जिद की मर्यादा को सामने रखते हुए करते।

डिंपल यादव का रिएक्शन आया सामने

अब मौलाना के जिस बयान पर राजनीति गरमा गई है। संसद में एनडीए सांसद प्रदर्शन कर रहे हैं। उसी के बाद अब खुद सांसद डिंपल यादव का बयान सामने आया है। सांसद ने कहा, अच्छा होता जब मणिपुर जैसी जब घटना हुई थी, अगर तब बीजेपी इसी तरह का प्रदर्शन करती, महिलाओं के साथ खड़ी दिखाई देती। साथ ही जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीजेपी के नेताओं ने फौज की महिला अफसरों के लिए जिस तरह की बयानबाजी की अगर पार्टी उनके साथ खड़ी दिखाई देती तो मैं समझती हूं ज्यादा अच्छा होता। इस मामले पर बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा, डिंपल यादव के पति अखिलेश यादव अभी तक इस मामले पर क्यों चुप क्यों हैं? इस बयान के खिलाफ उन्होंने अभी तक कुछ क्यों नहीं बोला? उनकी अपनी ही पार्टी चुप है। एक महिला सासंद के सम्मान से ज्यादा तुष्टिकरण की राजनीति महत्वपूर्ण है।

इकरा हसन का बयान आया सामने

सांसद इकरा हसन भी समाजवादी पार्टी के नेताओं की मस्जिद में हुई इस बैठक में मौजूद थी। सांसद इकरा हसन का भी मौलाना के बयान को लेकर रिएक्शन सामने आया है। इकरा हसन ने कहा, एसी बातें बहुत की गलत है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाई होनी चाहिए।

आवारा कुत्तों से शहर परेशान, बच्चे चुका रहे कीमत... रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत : संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। आवारा कुत्तों का आतंक शहर से लेकर गांव-देहात तक फैला हुआ है। जिसकी वजह से बच्चें हो या बुजुर्ग सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब आवारा कुत्तों के हमलों के अलावा रेबीज से होने वाली मौतों की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चिंता जताई है। आवारा कुत्तों की ओर से छोटे बच्चों को लगातार निशाना बनाने के मामले सामने आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक समाचार रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि देश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमले और रेबीज की बिमारी से छोटे बच्चों की जान जा रही है। रिपोर्ट में यह चिंता जताई गई है कि ये घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, और सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि हाल की समाचार रिपोर्टों में बताया गया है कि शहर आवारा कुत्तों की समस्या से जूझ रहा है, और सबसे बुरा ये है कि इसका सबसे बड़ा खामियाजा मासूम बच्चे भुगत रहे हैं। इस स्थिति के तथ्य न केवल परेशान करने वाले हैं, बल्कि तुरंत कार्रवाई की मांग भी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को CJI की बेंच को भेज दिया है। हाल ही में शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से आवारा कुत्तों के हमलों की कई चिंताजनक घटनाएं सामने आई हैं। इन हमलों के चलते रेबीज जैसी जानलेवा बिमारी के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिनका शिकार विशेष रूप से छोटे बच्चे और बुजुर्ग हो रहे हैं। हालात पहले से गंभीर होते जा रहे हैं, जिससे लोगों के अंदर डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। शहरों में बढ़ती हुई भीड़ की वजह से जगह की कमी और शोर इन्हें हिंसक बना रहे हैं।

ओबीसी सूची पर बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम मामले में सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार की नई ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) सूची के लागू होने पर अंतरिम रोक लगाई गई थी। यह फैसला राज्य सरकार के लिए एक बड़ी राहत माना जा रहा है। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

बता दें कि मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में ओबीसी-ए और ओबीसी-बी श्रेणियों में 140 उपवर्गों को आरक्षण देने के लिए एक नई सूची अधिसूचित (जारी) की थी। लेकिन 17 जून 2024 को कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस सूची के क्रियान्वयन पर अस्थायी रोक लगा दी थी। मामले में हाईकोर्ट का कहना था कि इन वर्गों को जोड़ने की प्रक्रिया ठीक से नहीं अपनाई गई और इस पर जांच जरूरी है। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की दलीलों पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा पहली नजर में हाईकोर्ट का आदेश गलत लगता है। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ऐसा आदेश कैसे दे सकता है? आरक्षण तय करना सरकार का काम है, अदालत का नहीं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई और राज्य सरकार की नई ओबीसी सूची को लागू करने की अनुमति दे दी।

शहनाज गिल की आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' में गाना गाएंगे हनी सिंह? एक्ट्रेस ने शेयर की तस्वीरें

हाल ही में अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने सोशल मीडिया पर मशहूर रैपर हनी सिंह के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस की आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' के लिए रैपर गाना गाने वाले हैं।

सिंगर-एक्ट्रेस शहनाज गिल अपनी आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' से काफी चर्चा में हैं। यह फिल्म कुछ महीनों के अंदर दर्शकों के बीच होगी। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें एक्ट्रेस मशहूर रैपर हनी सिंह के साथ नजर आ रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री की आगामी फिल्म के लिए हनी सिंह एक धमाकेदार गाना लेकर आने वाले हैं।

हनी सिंह के साथ मस्तमौले अंदाज में दिखीं शहनाज

शहनाज गिल ने आज सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों की बात की जाए तो पहली ही तस्वीर में एक्ट्रेस हनी सिंह के साथ दिख रही हैं, जिसमें दोनों काफी खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में रैपर अभिनेत्री की ओर देखते हुए हंसते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा शहनाज गिल ने खुद की कुछ और फोटोज शेयर की हैं, जिनमें उन्हें अनोखी हेयरस्टाइल में देखा जा सकता है। साथ ही एक्ट्रेस वेस्टर्न आउटफिट और ब्लैक कलर का लॉन्ग बूट पहने दिख रही हैं।

'एक कुड़ी' के लिए सॉन्ग लेकर आ रहे हनी सिंह?

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए शहनाज गिल ने हनी सिंह को टैग करते हुए कैप्शन दिया कि ये हंसी देसी है। इस पोस्ट के वायरल होते ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हनी सिंह अभिनेत्री की आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' के लिए एक शानदार गाना लेकर आने वाले हैं। आपको बताते चलें कि इससे पहले भी हनी सिंह इस फिल्म के लिए एक गाना गा चुके हैं।

'एक कुड़ी' फिल्म के बारे में

शहनाज गिल की यह पंजाबी फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 13 जून को रिलीज किया जाना था। फिल्म का निर्देशन अमरजीत सिंह द्वारा किया जा रहा है और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। इस फिल्म का इंतजार एक्ट्रेस के साथ-साथ उनके फैंस भी बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं।

सलमान खान से कभी अलग नहीं होना चाहते हैं संजय दत्त, भाईचारे को लेकर अभिनेता ने कह दी बड़ी बात

सिंगर-एक्ट्रेस शहनाज गिल अपनी आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' से काफी चर्चा में हैं। यह फिल्म कुछ महीनों के अंदर दर्शकों के बीच होगी। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें एक्ट्रेस मशहूर रैपर हनी सिंह के साथ नजर आ रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री की आगामी फिल्म के लिए हनी सिंह एक धमाकेदार गाना लेकर आने वाले हैं।

हनी सिंह के साथ मस्तमौले अंदाज में दिखीं शहनाज

शहनाज गिल ने आज सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों की बात की जाए तो पहली ही तस्वीर में एक्ट्रेस हनी सिंह के साथ दिख रही हैं, जिसमें दोनों काफी खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में रैपर अभिनेत्री की ओर देखते हुए हंसते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा शहनाज गिल ने खुद की कुछ और फोटोज शेयर की हैं, जिनमें उन्हें अनोखी हेयरस्टाइल में देखा जा सकता है। साथ ही एक्ट्रेस वेस्टर्न आउटफिट और ब्लैक कलर का लॉन्ग बूट पहने दिख रही हैं।

'एक कुड़ी' के लिए सॉन्ग लेकर आ रहे हनी सिंह?

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए शहनाज गिल ने हनी सिंह को टैग करते हुए कैप्शन दिया कि ये हंसी देसी है। इस पोस्ट के वायरल होते ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हनी सिंह अभिनेत्री की आगामी फिल्म 'एक कुड़ी' के लिए एक शानदार गाना लेकर आने वाले हैं। आपको बताते चलें कि इससे पहले भी हनी सिंह इस फिल्म के लिए एक गाना गा चुके हैं।

'एक कुड़ी' फिल्म के बारे में

शहनाज गिल की यह पंजाबी फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 13 जून को रिलीज किया जाना था। फिल्म का निर्देशन अमरजीत सिंह द्वारा किया जा रहा है और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। इस फिल्म का इंतजार एक्ट्रेस के साथ-साथ उनके फैंस भी बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं।

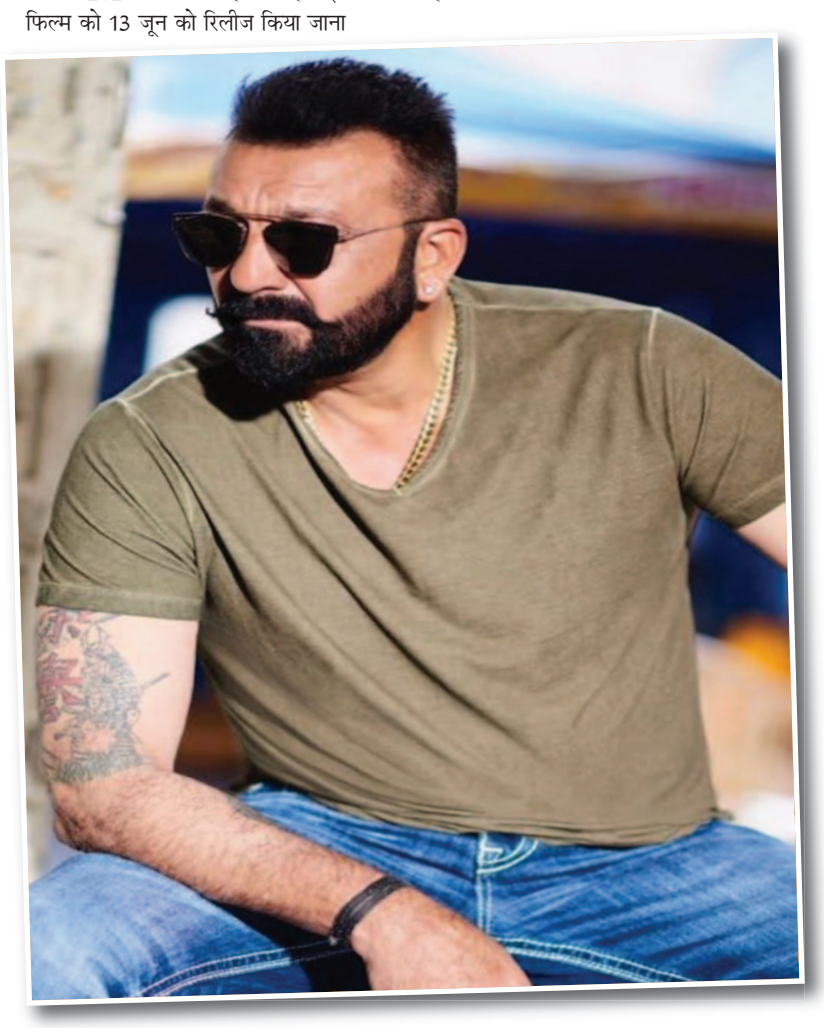

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com